वर्ष: 7- अंक: 181, मुंबई, बुधवार, 13 सितंबर, 2017 , मूल्य:1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

अमेरिका में मोदी पर राहुल का बड़ा हमला, कहा...

'मैं पीएम उम्मीदवार बनने को तैयार'

नई दिल्ली। अमेरिका के बर्कले में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने भाषण दिया। इस दौरान राहुल ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। राहुल ने कश्मीर में फैली अशांति और नोटबंदी से गिरी विकास दर के लिए नरेंद्र मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

बस और होंडा सिटी कार के बीच टक्कर, चार लोगों की मौके पर ही मौत
(पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

गुजरात में बनाई जा सकती है मेक इन इंडिया बुलेट ट्रेन
(पढ़ें पृष्ठ 5 पर)

अब निकाह के समय ही हो जाएगा तीन तलाक को ना कहने का फैसला!
(पढ़ें पृष्ठ 6-7 पर)

'टाइगर जिंदा है' के सेट पर चोटिल नजर आए सलमान
(पढ़ें पृष्ठ 12 पर)

नीतीश की ही रहेगी जेडीयू

पार्टी पर शरद के दावे को ईसी ने किया खारिज

पटना। बिहार में महागठबंधन के टूटने के साथ ही बागी हुए जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) नेता शरद यादव के पार्टी पर दावे को चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया है। शरद यादव ने जेडीयू के पार्टी चिन्ह पर अपना दावा किया था। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक शरद यादव कैंप द्वारा पार्टी पर दावा साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए।

राज्यसभा सदस्यता रद्द करने की मांग

गौरतलब है कि राज्य सभा सचिव बागी शरद यादव और अली अनवर को नोटिस भेज चुके हैं। नोटिस में सचिव ने दोनों ही सांसदों से नीतीश खेमे की मांग पर जवाब मांगा है। नीतीश खेमे ने शरद यादव और अली अनवर की राज्यसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की है। दोनों को अपना जवाब एक हफ्ते के अंदर देना है। राज्य सभा सचिव से नोटिस मिलने पर अली अनवर ने कहा था कि जवाब पहले ही तैयार है, लेकिन उन्हें पार्टी पर चुनाव आयोग के फैसले का इंतजार है। अब जब चुनाव आयोग का फैसला आ गया है, तो दोनों ही बागी नेताओं को अपना जवाब देना होगा। आपको बता दें कि शरद गुट ने 25 अगस्त को चुनाव आयोग के सामने पार्टी और निशान पर अपना दावा किया था।

सरकार का आदेश

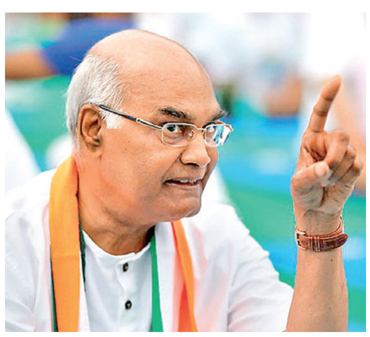

सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रपति कोविंद की तस्वीर लगाएं

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों में देश के नए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की तस्वीर लगाने का आदेश दिया है। इसके अनुसार मंत्रालय में मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और राज्य मंत्रियों के कार्यालयों में राष्ट्रपति की रंगीन तस्वीर लगाई जाएगी। सोमवार को प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से इस संबंध में शासनादेश जारी किया गया। शासनादेश के अनुसार सभी सरकारी, अर्ध सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रपति की तस्वीर लगाई जाएंगी। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दिलीप कुमार ने जीता 11 साल पुराना प्रॉपर्टी केस

मुंबई। बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर्स में से एक वेटरेन एक्टर दिलीप कुमार ने अपनी प्रॉपर्टी की 11 साल पुराना केस जीत लिया है। काफी लंबे समय से कोर्ट में चल रहा ये केस मंगलवार 12 सितंबर को दिलीप कुमार के पक्ष में आया। उनकी पत्नी और एक्ट्रेस सायरा बानो खुद कोर्ट पहुंची और कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें बंगले की चाबी भी मिल गई। बंगले की चाबी हाथ में आते ही सायरा के चेहरे में खुशी नजर आई वो देखने लायक थी।
(शेष पृष्ठ 5 पर)

'आपसी सहमति से तलाक के लिए 6 महीने इंतजार अनिवार्य नहीं'

नई दिल्ली। *अगर परिस्थितयां खास हों तो तलाक के लिए 6 महीने का इंतजार अनिवार्य नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने हिन्दू मैरिज एक्ट के सेक्शन 13बी(2) को अनिवार्य मानने से मना कर दिया है।* **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मनपा उद्यानों में पालतू प्राणियों के लिए जगह आरक्षित करने से इंकार

मुंबई। मनपा के अधीन कई उद्यान व खेल के मैदान है। इन जगहों में पालतू जानवरों के लिए अलग जगह आरक्षित किये जाने की मांग भाजपा नगरसेवक अॅड. मकरंद नार्वेकर ने ठराव की सूचना द्वारा की थी , किंतु मनपा आयुक्त ने आरक्षण रखना संभव न होने का स्पष्ट कर इंकार कर दिया। गौरतलब है कि मुंबई में मनपा के कई छोटे बड़े उद्यान व मैदान है।इन जगहों का उपयोग बड़ी संख्या में मुंबईकरों द्वारा किया जाता है।वहीँ मुंबई में कई लोग प्राणी प्रेमी भी है।जिनके द्वारा कुत्ता व बिल्ली जैसे प्राणी पाले जाते है।जिसमे अधिकतर संख्या पालतू कुत्तों की है।इन प्राणियों के लिए खुली हवा में रहने व खेलने के लिए मनपा के उद्यानों व मैदानों में किसी तरह की अलग आरक्षित जगह उपलब्ध नहीं है।वहीँ कई अन्य देशों में पालतू जानवरों के लिए उद्यान व मैदान उपलध किये गए है।जिसे देखते हुए मनपा के अधीन प्रत्येक मैदान व उद्यानों में पालतू जानवरों के लिए अलग जगह आरक्षित रखने की मांग भाजपा नगरसेवक अॅड. मकरंद नार्वेकर ने मनपा सभागृह में ठहराव की सूचना द्वारा की थी।जिसका अभिप्राय देते हुए मनपा आयुक्त ने कहा कि मुंबई में नागरिकों के मनोरंजन व सैर सपाटे के लिए जनसँख्या की तुलना में बहुत कम जगह उपलब्ध है , साथ ही नागरिकों की सुविधा के लिए आवश्यक खाली भूखंड काम होने से मनपा के प्रत्येक मैदान व उद्यान में पालतू जानवरों के लिए अलग जगह आरक्षित करना संभव न होने का स्पष्ट कर आयुक्त ने नकार दिया।

पति ने दी थी पत्नी को मारने की सुपारी

विरार। विरार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक कलयुगी पति ने ढाई लाख की सुपारी देकर अपनी ही पत्नी की गला घोंटकर हत्या करा दी। मामले का खुलासा तब हुआ जब आरोपी अपने साथी के साथ रविवार की रात 12 बजे के आसपास महिला के शव को बाइक पर बिठाकर सुनसान जगह उसे फेंकने जा रहा था। रास्ते में करझोन गांव के पास बाइक से उसका संतुलन खो गया और शव बाइक से गिर गया, जिसे गांव वालों ने देख लिया। खुद को घिरता देख दोनों आरोपी शव छोड़कर भाग निकले। विरार पुलिस ने महज चार घंटे में हत्या के आरोप में पति सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक महिला भी शामिल है।

मिली जानकारी के अनुसार विरार पूर्व के नारंगी गांव की रमा बाई उर्फ निर्मला नामदेव पाटील (54) का अपने पति से पिछले 31 सालों से विवाद चल रहा है। पति सफाले में अलग रहता है और जोगेश्वरी में रेलवे के गैंगमैन में नौकरी करता है। कोर्ट के आदेश पर वह पत्नी को घर खर्च देता आ रहा था। इसी बात से वह काफी परेशान रहता था। उसने पत्नी की हत्या करने की साजिश रची और करझोन गांव की वंदना लक्ष्मण पवार की मदद से लक्ष्मण गोविंद कोबाड को उसकी हत्या के लिए ढाई लाख की सुपारी देने की योजना बनाई। उसने आरोपियों को एक लाख रुपये एडवांस दिए और काम होने के बाद बाकी की रकम देनी थी। रविवार की दोपहर वंदना ने रमा बाई को करझोन गांव के एक फार्म हाउस में रुपये देने के बहाने बुलाया। रमा वहां पहुंची, तो उस जगह पहले से पांडुरंग जीवन कदम, चंद्रकांत गणपत पडवले, लक्ष्मण गोविंद कोबाड, लक्ष्मण जीवन पवार व उसका बेटा राकेश लक्ष्मण पवार मौजूद थे। योजना के मुताबिक उन्होंने पहले रमा को दोपहर का खाना खिलाया और बाद में उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। आसपास गांव होने के कारण आरोपियों ने शव को अंधेरे में ही ठिकाने लगाने की सोची और रात 12 बजे के आसपास शव को बाइक पर रखकर सुनसान जगह फेंकने निकले।

जैसे ही घटनास्थल से थोड़ी दूर बुंधरपाडा स्थित आंगनवाडी के पास पहुंचे, बाइक का संतुलन बिगड़ने से शव जमीन पर गिर पड़ा और गांव के कुत्ते भौंकने लगे। उसी वक्त गांव के लोग बाहर निकलकर आए, उन्हें देखते ही दोनों आरोपी शव छोड़कर फरार हो गए। लेकिन गांव वालों ने आरोपियों को पहचान लिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने महज 4 घंटे में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पिंटो की गिरफ्तारी पर बांबे हाई कोर्ट ने लगाई रोक

मुंबई। प्रद्युम्न हत्याकांड के सीईओ रायन पिंटो के परिवार के दो सदस्यों ने अग्रिम जमानत के लिए बांबे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अगेस्टैन पिंटो और ग्रेस पिंटो की गिरफ्तारी पर बुधवार तक रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को गुरुग्राम पुलिस ने रेयान इंटरनेशनल स्कूल समूह के लीगल हैड फ्रांसिस थॉमस और एचआर हैड जेयस थॉमस को गिरफ्तार किया। इन्हें सोहना की अदालत में पेश किया गया था जिसके बाद उन्हे दो दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त संदीप खिरवार ने कहा कि मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) का कहना है कि इस मामले में सुबूतों से छेड़छाड़ की गयी है।

दादर ब्रिज के नीचे से एशियाड और एसटी की बस सेवा बंद करने की नोटीस

मुंबई। मुंबई हाई कोर्ट के निर्देश पर मनपा प्रशासन ने दादर पूर्व के फ्लाई ओवर ब्रिज के नीचे बने बस स्टैंड को हटाने का निर्देश दिया गया है।मनपा ने कुर्ला एसटी डिपो को नोटीस देकर दादर एशियाड स्टैंड और एसटी स्टैंड बंद करने का निर्देश दिया है।मनपा ने इसके पहले इस ब्रिज के नीचे बने पे एंड पार्किंग को बंद किया था। मनपा के नोटिस से एसटी महा मंडल में खलबली मच गई है।

गौरतलब है कि फ्लाई ओहर ब्रिज के नीचे सुरक्षा कारणों को लेकर ब्रिज के नीचे पे एंड पार्किंग सहित सभी प्रकार के कार्यों को बंद करने का आदेश दिया है। एसटी महामंडल की शिवनेरी सेवा सहित एशियाड सेवा एवं बड़े पैमाने पर एसटी की सुविधा मुहैया कराई जाती है।दूर दराज ग्रामीण इलाकों में एसटी बस सेवा सुविधा मुहैया कराई जाती है।यहाँ से 12 हजार यात्री से अधिक यात्रा करते है।इस स्टैंड से रोजनां 236 बसो का आवागमन होता है। मनपा प्रशासन ने इस परिसर में चल रहे पे एंड पार्किंग को पहले बंद कराया । मनपा को एसटी से 12 .50 लाख रुपया विज्ञापन के रूप में और 6 लाख रुपया भाड़े कें रूप में ले रही थी। मनपा की नोटीस के बाद बन्द पड़ने वाले एसटी बसो से एसटी विभाग को भारी नुकसान होने वाला है।

पश्चिम रेलवे ने खान-पान के बढ़े दाम लिए वापस

मुंबई। सोमवार को नवभारत टाइम्स द्वारा प्रकाशित समाचार 'रेलवे में जीएसटी का झोल' पर संज्ञान लेते हुए पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल ने उपनगरीय स्टेशनों के स्टॉल्स पर खान-पान की चीजों पर बढ़े हुए दाम वापस ले लिए हैं। एनबीटी की खबर में बताया गया था कि शनिवार को पश्चिम रेलवे मुंबई डिविजन में सभी कैटरिंग स्टॉल वालों ने वडा, रगड़ा, समोसा और छास इत्यादि की कीमतें दो रुपये तक बढ़ा दी थीं। खबर में एक ही वस्तु पर दो जोनल रेलवे की दो कीमतों की पोल खोली गई थी।

हालांकि पश्चिम रेलवे ने बढ़े हुए दाम वापस ले लिए हैं, लेकिन कीमतों को लेकर अब भी कैटरिंग वालों और रेलवे में संशय बरकरार है। पश्चिम रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शनिवार को ऐसा कोई पत्र जारी ही नहीं हुआ था जिसमें स्टॉल वालों को दाम बढ़ाने की बात कही हुई हो। अधिकारी ने बताया कि रेलवे ने 1 सितंबर, 2017 को एक पत्र भेजा था जिसमें चाय, कॉफी और जनता खाना को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की बात कही थी। साथ ही, अ-ला-कार्ते की दरों की एक सूची दी थी जिसमें समोसा, वडा और पाव की कीमत बढ़ाने की बात कही थी। कैटरिंग वालों के अनुसार, 1 सितंबर को यह पत्र सभी स्टेशन मास्टरों को भेजा गया था और बीच में छुट्टियां होने के कारण उन्हें मिल नहीं पाया था। शनिवार को स्टेशन मास्टरों ने नई रेट लिस्ट कैटरिंग स्टॉल्स को दी और उनकी ओर से कीमतों में वृद्धि लागू कर दी गई।

मध्य रेलवे की ओर से स्पष्ट किया गया है कि अभी तक मुंबई मंडल में जीएसटी लागू नहीं किया गया है। यहां वडा और समोसा की कीमत अब भी क्रमशः 6 रुपये और 8 रुपये है। मध्य रेलवे में कुछ महीनों पहले पाव के दाम 2 रुपये से बढ़ाकर 3 रुपये कर दिए गए थे, जिसके कारण वडा-पाव 9 रुपये और समोसा-पाव 11 रुपये हो गया था। मध्य रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले भी कैटरिंग वाले वैट और सेवा कर जमा कराते थे और अतिरिक्त कीमत ग्राहकों से नहीं वसूली जाती थी। अब पुराने कर के बजाय जीएसटी लेना है, तो ग्राहकों को इसका भुगतान क्यों करना पड़ेगा?

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बस और होंडा सिटी कार के बीच टक्कर

चार लोगों की मौके पर ही मौत

मुंबई। मंगलवार सुबह 10 बजे मुंबई–नासिक हाईवे पर मानकोली खरेगांव टोल नाका के बीच एक स्टेट ट्रांसपोर्ट की बस और होंडा सिटी कार के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। इन्हें मुंबई के जे.जे हॉस्पिटल में इलाज के लिए ले जाया गया है। जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना हाईवे पर बने मोदी हुंडई वेअर हाउस के सामने हुई है। मुंबई की रहने वाली एक फैमिली नासिक से वापस अपने घर आ रही थी। उनकी कार की रफ्तार काफी तेज थे और हाईवे पर अचानक साइड से एक बस आ गई। इसके बाद कार अनियंत्रित हो कर डिवाइडर और बस के बीच में टकरा गई। स्पीड तेज होने के कारण कार कई बार पल्टी भी। इस दुर्घटना में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है। हादसे के बाद कार में फंसी डेड बॉडीज को निकाले के लिए मशीन का सहारा लिया गया। जांच में सामने आया है कि, स्टेट ट्रांसपोर्ट की बस ठाणे से मुंबई की ओर जा रही थी। इस दुर्घटना में बस में बैठे यात्रियों को कोई चोट नहीं आई है। कार से टकराने से बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त जरुर हुआ है।

डेम घोटाले में 3 हजार पन्नों की चार्जशीट

तटकरे की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

मुंबई। रायगढ़ जिले के कोंढाणे बांध निर्माण में अनियमितता के आरोपों की जांच कर रही एसीबी ने सोमवार को ठाणे के स्पेशल कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल कर दिया। तीन हजार पन्नों के आरोपपत्र में एफए कंस्ट्रक्शन, एफए इंटरप्राइजेज और पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन अधिकारियों समेत सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें तत्कालीन जलसंसाधन मंत्री व राकांपा विधायक सुनील तटकरे का नाम नहीं है। एसीबी ने मामले में विधायक तटकरे के खिलाफ जांच की इजाजत मांगी है। इससे आने वाले समय में तटकरे की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मामले में जिन सात लोगों को आरोपी बनाया गया है उनमें एफए कंस्ट्रक्शन के निसार खत्री, तत्कालीन कार्यकारी संचालक देवेंद्र शिर्के, तत्कालीन

मुख्य अभियंता बीबी पाटील, पीबी सोनावणे, तत्कालीन अधीक्षक अभियंता आरडी शिंदे, तत्कालीन कार्यकारी अभियंता एपी सालुंखे और तत्कालीन कार्यकारी अभियंता राजेश रिठे के नाम शामिल हैं। एसीबी का कहना है कि सीआरपीसी की धारा 173(8) के तहत अभी मामले की जांच चल रही है। मामले में 3 सितंबर 2016 को ठाणे के कोपरी पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

रायगढ़ जिले में कोंढाणे बांध बनाया गया था। तटकरे के जलसंसाधन मंत्री रहते इस परियोजना को मंजूरी मिली थी। इसकी मूल कीमत 80 करोड़ रुपए थी जो भ्रष्टाचार के चलते बढ़कर 327 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। हैरानी की बात ये है कि लागत बढ़ने के संदर्भ में संबंधित विभाग से इजाजत तक नहीं ली गई। कंपनी विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए ठेके से जुड़े नियमों को दरकिनार कर दिया गया। वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद फडणवीस सरकार ने चार अधिकारियों को निलंबित किया था।

16 साल पहले लड़की का अपहरण कर देह व्यापार में ढकेला, महिला गिरफ्तार

ठाणे। पुलिस ने 44 साल की एक महिला को गिरफ्तार किया है। उक्त महिला ने 16 साल पहले एक नवजात बच्ची को चुरा लिया था और बाद में उसे देह व्यापार में ढकेल दिया। जिले की ग्रामीण पुलिस की मानव तस्करी विरोधी शाखा ने रविवार की शाम मीरा रोड इलाके के एक मकान पर छापेमारी की। लड़की को दो लोगों के साथ एक कमरे में पाया। कशीमीरा थाने के वरिष्ठ निरीक्षक विलास सनप ने इस आशय जानकारी दी। बच्चा चुराने वाली महिला भी मौके पर मौजूद मिली। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि उसने

मुंबई के एक अस्पताल से बच्ची चुरा ली थी। यह घटना 16 साल पहले हुई थी उस समय लड़की का जन्म हुआ था। इसके बाद महिला उसे मीरा रोड इलाके में ले आई। पड़ोसियों को उसने बताया कि यह उसकी बेटी है। बाद में उसने कुछदिनों तक लड़की को स्कूल भी भेजा। इसके बाद उसने उसे देह व्यापार में ढकेल दिया। रविवार रात गिरफ्तार की गई महिला के खिलाफ आइपीसी की धारा 363 (अपहरण), 365 (गलत और गुप्त रूप से किसी व्यक्ति का अपहरण और उसे छिपा कर रखना), 366 (नाबालिग लड़की से अवैध कारोबार), 372 और 373 के तहत मामला दर्ज किया गया है। लड़की को ठाणे के पुनर्वास केंद्र में भेज दिया गया है।'

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें। **(9619102478)**

रात पाली के स्कूल के शिक्षकों पर निर्णय जल्द

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को शिक्षक संगठन को आश्वासन दिया कि सरकार रात पाली के स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के मामले में जल्द ही निर्णय लेगी। शिक्षा विभाग के 'एक शिक्षक, एक वेतन' के फैसले के बाद से रात पाली के कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी हो गई है।

इस फैसले के अनुसार जो शिक्षक दिन की पाली में पढ़ा रहे हैं, वे रात की पाली में नहीं पढ़ा सकते। रात पाली के स्कूलों में शिक्षक नहीं होने से वहां के छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसलिए शिक्षक विधायक कपिल पाटील के नेतृत्व में शिक्षक भारती का एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस बैठक में शिक्षा विभाग के फैसले पर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने की मांग की गई और विद्यार्थियों के हित को देखते हुए जल्द से जल्द फैसला लेने का अनुरोध किया गया।

इस पर मुख्यमंत्री ने शिक्षक भारती के प्रतिनिधियों से कहा कि वे इस मामले में जल्द ही एक बैठक बुलाएंगे। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की समस्या का हल निकालने का आश्वासन भी दिया। कपिल पाटील ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री को शिक्षा विभाग के 'एक शिक्षक, एक वेतन' के फैसले की खामियां अवगत कराया।

मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस परिसर में राजभाषा प्रदर्शनी

मुंबई। मध्य रेल मुख्यालय राजभाषा विभाग की ओर से मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर उपनगरीय प्लेटफार्म क्रमांक 07 से लगे हुए अहाते में हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक 14.9.2017 को रेलवे में राजभाषा के स्वर्णिम अतीत से लेकर वर्तमान तक की यात्रा को चित्रित करती रेलों का सफर, हिंदी हमसफर नामक एक अनूठी राजभाषा प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी में जीआईपी रेलवे से लेकर वर्तमान की मध्य रेल के दैनिक कामकाज में देवनागरी के प्रयोग से जुडी तमाम जानकारियां आकर्षक रूप में प्रस्तुत की जाएंगी।

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मध्य रेल के महाप्रबंधक देवेंद्र कुमार शर्मा द्वारा दिनांक 14.09.2017 को प्रातः 11.00 बजे किया जाएगा। यह प्रदर्शनी रेल कर्मियों के साथ-साथ आम यात्रियों के लिए भी दिनांक 14.09.2017 को प्रातः 11.00 बजे 17.00 बजे तक खुली रहेगी।

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे) **(9619102478)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अनुचित परंपरा

मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री जैसे बड़े पदों पर रह चुके राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निजी रिश्तों पर जिस ढंग से कीचड़ उछाला है, उसे किसी भी तर्क से वाजिब नहीं ठहराया जा सकता। लालू प्रसाद की परेशानी समझी जा सकती है। उन्हें न सिर्फ चारा घोटाले की सुनवाई के क्रम में बार-बार रांची के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं बल्कि रेल मंत्रित्वकाल से संबंधित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की जांच के सिलसिले में भी परिवार के कई सदस्यों समेत केंद्रीय जांच एजेंसियों का सामना करना पड़ रहा है। जांच के दायरे में उनके बेटी-दामाद भी हैं जिनका दिल्ली स्थित एक आलीशान फार्म हाउस ईडी ने अटैच कर लिया है। पटना से लेकर दिल्ली तक लालू परिवार की तमाम नामी-बेनामी संपत्ति जांच एजेंसियों के रडार पर है। इसी बीच उनकी पार्टी सत्ता से भी बेदखल हो गई लिहाजा उनके दोनों पुत्रों के मंत्रिपद भी जाते रहे। उनके एक पुत्र डिप्टी सीएम थे, जबकि दूसरे स्वास्थ्यमंत्री। लालू परिवार आरोप लगाता रहा है कि यह सब नीतीश कुमार और भाजपा की मिलीभगत से हुआ। यहां तक बात ठीक है। राजनीतिज्ञों के बीच अच्छी-बुरी बातें राजनीति से संबंधित ही होनी चाहिए। यह दायरा टूटने पर वही होता है जो लाल प्रसाद कर रहे हैं। वह बड़े नेता हैं। राज्य और इसके बाहर उनका खासा सम्मान है। हर किसी की तरह नेताओं के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लालू परिवार को बड़प्पन के साथ इस परिस्थिति का सामना करना चाहिए। उनकी यह बात मान भी लें कि उन्हें राजनीतिक कारणों से परेशान किया जा रहा है, तो भी उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा रखना चाहिए जिसकी तटस्थता और पारदर्शिता की नजीर पूरी दुनिया में दी जाती है। दुर्भाग्य है कि लालू परिवार ऐसा धैर्य नहीं दिखा रहा। वह मुख्यमंत्री के निजी एवं पारिवारिक रिश्तों को राजनीति में घसीट रहे हैं जो उचित नहीं। राजनेताओं के जीवन में राजनीति से इतर रिश्ते भी होते हैं। इनका सम्मान किया जाना चाहिए। ऐसे रिश्ते लालू परिवार के भी होंगे। फिलहाल भाजपा या जदयू ने उनके ऐसे किसी ऐसे रिश्ते पर अंगुली नहीं उठाई। उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों पक्ष तनातनी के इस दौर में मयार्दा नहीं भूलेंगे और कम से कम एक-दूसरे के राजनीति से इतर रिश्तों को आरोप-प्रत्यारोप का जरिया नहीं बनाएंगे।

रोजगार के अवसर बढ़ाने के उपाय

रोजगार सृजन के लिए सरकार ने एक कार्यबल यानी टास्क फोर्स का गठन किया है। कृषि में ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और ट्यूबवेल के उपयोग से श्रम की जरूरत कम हो गई है इसलिए सामान्य कृषि उत्पादों जैसे गेहूं और गन्ने का उत्पादन बढ़ाने से रोजगार पैदा नही होंगे, बल्कि इनका उत्पादन बढ़ाने से पर्यावरण का क्षय होगा और रोजगार कम होंगे। जैसे गन्ने की खेती के लिए ट्यूबवेल के अधिक उपयोग से गांव के तालाब सूख जाते हैं और इसके चलते मछली पालन में बन रहे रोजगार समाप्त हो जाते हैं। हालांकि महंगे कृषि उत्पादों के जरिये जरूरी रोजगार के अवसर बन सकते हैं। जैसे तरबूज को अगर चौकोर आकार का बनाना हो तो छोटे फल को चौकोर डिब्बों में डालना होता है। फल बड़ा होने के साथ क्रमशः बड़े डिब्बे लगाने होते हैं। ऐसे तरबूज का दाम ज्यादा मिलता है और उसके उत्पादन से रोजगार के अवसर भी बनते हैं। अतः उच्च कीमत के कृषि उत्पादों की तरफ बढ़ना चाहिए। हमारे पास हर प्रकार की जलवायु उपलब्ध है। जैसे गुलाब के फूल गर्मी में पहाड़ों पर, बरसात में दक्कन के पठार पर और जाड़े मे उत्तर प्रदेश में उगाए जा सकते है। सरकार को चाहिए कि उच्च कीमत के ऐसे कृषि उत्पादों के निर्यात पर सब्सिडी दे। वर्तमान में जैसे उर्वरक और बिजली पर दी जा रही सब्सिडी को इस दिशा मे मोड़ने से किसान पर कुल भार नही बढ़ेगा, परंतु उसकी दिशा का परिवर्तन होगा।

विनिर्माण में भी कमोबेश ऐसी ही परिस्थिति है। बड़ी कंपनियां ऑटोमेटिक मशीनों से उत्पादन करती हैं। उनके जरिये रोजगार सृजन कम ही हो रहा है। इसलिए बहुराष्ट्रीय कंपनियां जैसे एप्पल द्वारा भारत में आई-फोन बनाए जाने से भारत का तकनीकी उन्नयन अवश्य होगा, परंतु रोजगार के अवसर नहीं बनेंगे। वैश्विक अनुभव बताता है कि विनिर्माण में अधिकतर रोजगार छोटे उद्योगों द्वारा बनाए जाते हैं, लेकिन छोटे उद्योगों का दायरा भी सिकुड़ता जा रहा है। जैसे पहले हर शहर मे डबलरोटी बनाने की फैक्ट्री होती थी। आज बड़े शहरों से डबलरोटी गांवों मे भी सप्लाई हो रही है। अब तक सरकार की सोच थी कि किसी विशेष क्षेत्र में कार्यरत तमाम छोटे उद्योगों को एक समूह में स्थापित किया जाए जैसे तिरुपुर में होजरी फैक्ट्रियों को। इन्हे सामूहिक स्तर पर प्रदूषण नियंत्रण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती है जिससे इनकी उत्पादन लागत में कमी आए और ये बड़े उद्योगों के सामने खड़े रह सकें। बहरहाल जमीनी अनुभव बताता है कि छोटे उद्योग पिट रहे हैं। तिरुपुर के एक छोटे होजरी निर्माता ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद अहमदाबाद के बड़े उद्योगों के सामने वह पिट रहा है। सरकार को इस भ्रम से उबरना चाहिए कि संरक्षण के बिना छोटे उद्योगों का अस्तित्व बचा रहेगा और उनके द्वारा मुफ्त में नए रोजगार अवसर सृजित होंगे। देश को रोजगार का मूल्य अदा करना होगा। इस दिशा में श्रम-सघन छोटे उद्योगों को संरक्षण देने की पुरानी नीति पर वापस जाना होगा। जैसे ऑटोमेटिक मशीनों से बने कागज और पावरलूम से बने कपड़े पर देश में प्रतिबंध लगा दिया जाए तो हस्तनिर्मित कागज एवं हैंडलूम के उत्पादन में रातोंरात करोड़ों रोजगार उत्पन्न हो जाएंगे, परंतु इस कदम को उठाने के लिए सरकार को बड़े कागज एवं कपड़ा निर्माताओं का सामना करने का साहस जुटाना होगा। देश के नागरिकों को भी हस्तनिर्मित महंगा कागज एवं कपड़ा खरीदना होगा।

आने वाले समय में सॉफ्टवेयर, एप्प आदि के बाजार का विस्तार होगा। इन इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के उत्पादन में भी बड़ी कंपनियों द्वारा रोजगार के अवसर कम ही सृजित होंगे। इनके द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग बढ़ चढ़ कर होगा, लेकिन स्वतंत्र युवाओं द्वारा इनका उत्पादन किया जा सकता है। जैसे डॉक्युमेंट्री अथवा कंप्यूटर गेम्स को युवा अपने मोबाइल पर बना सकते हैं। इन वस्तुओं के उत्पादन से भारी संख्या में रोजगार बन सकते हैं। जैसे किसी युवा की क्षमता है कि पंचतंत्र की कहानियों का एप्प बना सके। महिलाएं भी ऐसे एप्प खरीदने को तैयार हैं, परंतु एप्प बनाने एवं खरीदने वाले के बीच की खाई को हम पार नही कर पा रहे हैं। सरकार को चाहिए कि इस खाई को पार करने का पोर्टल बनाए। साथ ही साथ अलग पुलिस व्यवस्था बनाए जिससे जालसाजों से परेशान होकर खरीदार भाग न जाए। मैंने 128 जीबी की पेन ड्राइव किसी पोर्टल से खरीदी। मिली 8 जीबी की। पोर्टल ने हाथ खड़े कर दिए। ऐसे में अलग पुलिस होनी चाहिए जो कि मदद करे तभी इस बाजार का विस्तार होगा।

आने वाले वक्त में सेवाओं के नए बाजार बनेंगे। इंटरनेट के चलते दुनिया भर के लोग एक दूसरे से जुड़ रहे है। वे दूसरे देशों और भाषाओं की जानकारी चाहते हैं। हमें हिंदी और अंग्रेजी से आगे जाना होगा। इसी प्रकार कानूनी रिसर्च, ऑनलाइन सर्वे, ऑनलाइन पोषण की सलाह देना, इत्यादि तमाम नए ई-उत्पादों के बाजार बनेंगे। इन सेवाओं के लिए भी सरकार को ई-पोर्टल तथा ई-पुलिस स्थापित करनी चाहिए। इन बाजारों के विस्तार के लिए लोगों को कौशल यानी स्किल सिखाने की जरूरत नहीं है। युवा स्किल हासिल कर लेंगे। स्किल के नाम पर देश में भारी फर्जीवाड़ा चल रहा है। भूखे को मछली परोसने के स्थान पर मछली पकड़ना सिखाना चाहिए। बेहतर है कि नदी तक पहुंचने का सरकार रास्ता बना दे तो भूखा मछली पकड़ना स्वयं सीख लेगा। सरकार को इन ई-सेवाओं के बाजार के विस्तार को बुनियादी संरचना उपलब्ध करानी चाहिए। मछली पकड़ना सिखाया जाए पर नदी तक पहुंचने का रास्ता उपलब्ध न हो तो वह स्किल बेकार हो जाएगी।

ई-सेवाओं का एक बड़ा बाजार स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाओ का उभर रहा है। इन सेवाओं को ऑटोमेटिक मशीनों से उपलब्ध कराने की एक सीमा है। प्राइमरी स्कूल में बच्चों को रोबोट से कम ही पढ़ाया जा सकता है। भारत में स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाएं उपलब्ध कराने का वैश्विक केंद्र बन सकता है। जैसे दांत मे रूट कनाल ट्रीटमेंट का दुबई मे चार्ज 2,500 दिरहम अथवा 42,000 रुपये है। तीन दांत में रूट कनाल कराना हो तो भारत आकर इसे कराना सस्ता पड़ता है। इसी प्रकार घुटना बदलने अथवा ओपन हार्ट सर्जरी का खर्च भारत में बहुत कम है, परंतु विदेशी नागरिक भारत आने में हिचकिचाते है। चूंकि यहां उन्हें अक्सर धोखा दिया जाता है। उनके लिए भारतीय पुलिस के मार्फत राहत पाना लोहे के चने चबाना है। इसलिए सरकार को चाहिए कि स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्रों में विदेशी नागरिकों के लिए अलग पुलिस व्यवस्था बनाए जो कि विभिन्न भाषाएं बोलती हो और आगंतुक को त्वरित न्याय उपलब्ध कराए। साथ ही सरकार को स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाओं के निर्यात के लिए सब्सिडी देनी चाहिए। जैसे विदेशी छात्रों द्वारा अदा की गई फीस को आय कर से मुक्त किया जा सकता है। आने वाला युग बिल्कुल अलग प्रकार का होगा। कंपनियों मे स्थाई नौकरियां बहुत कम होंगी। सेवाओं के व्यक्तिगत स्तर पर उत्पादन एवं खपत में भारी वृद्धि होगी। संगठित क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के ख्वाब देखने के स्थान पर सरकार को इस बाजार के विस्तार को बुनियादी संरचना उपलब्ध करानी चाहिए।

स्मार्ट बनाने की चुनौती

नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को स्मार्ट सिटी बनाने की कवायद इन दिनों तेज हो चली है। गत दिनों चार योजनाओं के लिए ई-टेंडरिंग की प्रक्रिया भी शुरू हो गई। इसके तहत पांच पार्कों का सुंदरीकरण, आठ चौराहों का जंक्शन इंप्रूवमेंट, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, आवारा पशुओं के लिए कांजी हाउस का निर्माण आदि शामिल हैं। इन परियोजनाओं का डीपीआर मंजूर हो चुका है। ई-टेंडरिंग की तैयारी नगर निगम के अधिकारी कर रहे हैं। यूं तो इस शहर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव लड़ने के समय से ही इसके कायापलट की चर्चा होने लगी थी लेकिन, इस चर्चा को तब और हवा मिली जब प्रधानमंत्री बनने के बाद अगस्त, २०१४ में उन्होंने जापान की यात्रा की थी, तब वहां के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इस शहर का विकास क्योटो शहर की तर्ज पर करने की सहमति जताई थी। क्योटो भी काशी की तरह प्राचीनतम शहरों में से है और दोनों में कई समानताएं हैं। पार्टनर सिटी के समझौते पर दोनों देशों ने हस्ताक्षर भी किए थे। इसके बाद पिछले साल स्मार्ट शहरों की सूची में शामिल होने के बाद इस शहर के कायापलट में कोई संशय ही नहीं रह गया। यानी कि बनारस के दोनों हाथों में लड्डू है। शहर को नया रूप मिलना बिलकुल तय हो चुका है, ऐसे में शहर की धार्मिक, सांस्कृतिक, कला और शिक्षा की विरासत को संरक्षित रखते हुए इसे आधुनिक चोला पहनाने की चुनौती बहुत बड़ी है। बहरहाल अपनी कई खूबियों के कारण दुनिया के इस अनोखे शहर में इसके स्मार्ट बनने के बाद बहुत कुछ बदल जाएगा। कहा तो यही जा रहा है कि काशी की संस्कृति, परंपरा को जीवंत रखते हुए आधुनिकता का खाका खींचा जाएगा। विकास के कुल २१ बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए शहर को स्मार्ट बनाया जाएगा।लगे हाथ क्योटो और बनारस की तुलना करें तो बनारस में जहां हर साल ५० लाख पर्यटक आते हैं, वहीं क्योटो में पांच करोड़ पर्यटक पहुंचते हैं। क्योटो में हजारों धार्मिक स्थल हैं, तो बनारस मंदिरों का शहर ही कहा जाता है। दोनों शहरों में यूं तो कई समानताएं हैं लेकिन, क्योटो को आधुनिक रूप उसकी सांस्कृतिक विरासत को पूरी तरह संरक्षित रखते हुए दिया गया है। देखना होगा कि क्या बनारस को भी वही रूप हासिल हो पाएगा या केवल स्मार्ट ही बन पाएगा।

मुंबई ब्लास्ट केस में मिली सिर्फ 10 साल की सजा

एक मर्डर ने दिलाई उम्रकैद

मुंबई। बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या के मामले में विशेष टाडा कोर्ट ने मंगलवार को रियाज सिद्दीकी को दोषी करार देते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई है। रियाज पर हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप था। रियाज सिद्दीकी वही शख्स है जिसे 1993 मुंबई बम धमाकों के मामले में भी 10 साल की सजा सुनाई गई थी। प्रदीप जैन की हत्या के मामले में पहले ही अबु सलेम को उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। हालांकि प्रत्यर्पण की शर्त के मुताबिक उसे 25 साल से ज्यादा की सजा नही दी जा सकती है। प्रदीप जैन अबु सलेम का पहला शिकार था। उनके भाई से सलेम ने कोलडोंगरी की प्रॉपर्टी छोड़ने या जान से हाथ धोने की धमकी दी थी। सलेम की धमकी

को सीरियसली न लेना प्रदीप को महंगा पड़ा और 7 मार्च 1995 को सलेम के शूटर सलीम हड्डी ने प्रदीप जैन के दफ्तर में घुसकर गोली मार दी। अबु सलेम को बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के लिए टाडा की धारा 3(2) (1) और आईपीसी की धारा 120 बी के तहत सश्रम उम्रकैद की सजा और 2-2 लाख रुपये जुमार्ना की सजा मिली है। रियाज सिद्दीकी पर हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप साबित हो चुका था। प्रदीप जैन हत्याकांड में इससे पहले अबू सलेम, मेहंदी हसन शेख, और वीरेंद्र कुमार झांब को पहले ही उम्रकैद की सजा मिल चुकी है।

पहले सरकारी गवाह था रियाज

बता दें कि रियाज को पहले इस मुकदमे में सरकारी गवाह बनाया गया था, लेकिन बाद में वो अपने बयान से पलट गया। जिसके बाद फिर से उसे आरोपी बनाकर मुकदमा चलाया गया। जिसमें वो दोषी साबित हुआ।

गुजरात में बनाई जा सकती है मेक इन इंडिया बुलेट ट्रेन

मुंबई। अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की आधारशिला 14 सितंबर को अहमदाबाद के साबरमती में रखी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का शिलान्यास जापान के प्रधानमंत्री शिन्जो आबे की मौजूदगी में करेंगे। आबे 13 सितंबर को ही अहमदाबाद में पहुंच जाएंगे। नए रेल मंत्री पीयूष गोयल की सलाह के बाद पहले चरण में कुछ पाट्र्स यहां बनाने और उसके बाद 2025 से 2027 के बीच पूरी बुलेट ट्रेन को गुजरात में बनाने को लेकर जापान से बात हो रही है।

इसके लिए तकनीकी आदान-प्रदान पर भी बात शुरू की जा रही है। बुलेट ट्रेन प्राधिकरण में करीब दो दर्जन अधिकारी है। इसमें से 10 की ट्रेनिंग जापान में हो गई है। अक्टूबर में अन्य 10 ट्रेनिंग लेंगे। 2022 में बुलेट ट्रेन चलने तक बुलेट ट्रेन प्राधिकरण, नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की कार्मिक संख्या 300 से ऊपर हो जाएगी। इन सभी लोगों को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले चरण में करीब 200 कर्मचारी ट्रेनिंग लेंगे। इनमे से आधे जापान में ट्रेनिंग लेंगे। वहीं अन्य को वडोदरा में जापान के सहयोग से बनने वाले ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग दी जाएगी। ड्राइवरों को करीब 6 से 9 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। वहीं सीनियर लेवल के अधिकारियों को 3 से 5 महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। भारत में ट्रेनिंग लेने वालों के लिए जापान बुलेट ट्रेन अधिकारियों के सहयोग से एक ट्रेनिंग कोर्स-मॉड्यूल तैयार किया जा रहा है। 2022 तक भारत में जापान से पहले चरण में 24 बुलेट ट्रेन लाई जाएंगी। इनकी कीमत करीब 4500-5000 करोड़ रुपए होगी।

उसके बाद ट्रेनों की संख्या को 36 तक ले जाने का प्रस्ताव है। ऐसे में यह तय किया गया है कि आने वाले समय में बुलेट ट्रेन का निर्माण भारत में किया जाए, जिससे न केवल इन पैसों को बचाया जा सके बल्कि यहां पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हों। इसके लिए गुजरात को वरीयता में पहले नंबर पर रखा है। महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन निर्माण को लेकर विचार किया जा रहा है।

बीच सड़क पर लोगों पर कुल्हाडी से हमला करता रहा युवक

तीन लोगों ने गंवाई जान

नासिक। यहां के नांदगांव में मानसिक रुप से बीमार युवक ने गांव के आठ लोगों को पर कुल्हाडी से वार किया। युवक के हमले में उसने दादा समेत तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं अन्य पांच लोग घायल हुए हैं। गांव के कुछ युवकों ने उसे समय पर पकड़ने से कई लोगों की जान बची। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। रविंद्र बागुल (28) नामक शख्स अपनी पत्नी, मां, दादा और भाई के साथ रहता था। रविंद्र भिवंडी में कुछ टेम्पो ड्राइवर था। उसके भाई ने बताया कि, पिछले सप्ताह रविंद्र की पत्नी की सात माह की प्रेग्नेंट थी इसलिए उसे नांदगांव तालुका के हिंगणे गांव लाया गया था।

यहां पर आने पर रविंद्र पागलों जैसी हरकते करने लगा, इसलिए उसे गुजरात के एक तांत्रिक के पास ले जाया गया। वहां से सोमवार रात उसे वापस गांव लाया गया लेकिन वह रात में भी पागलों जैसी हरकते करने लगा, लेकिन बाद में सो गया। मंगलवार सुबह 6.30 बजे वह नींद से जागा घर में इधर उधर भागने लगा। इसी दौरान उसके हाथ घर में रखी कुल्हाडी लगी। वह कुल्हाडी लेकर घर से बाहर निकला और आंगन में खड़े अपने 65 वर्षीय दादा के सिर पर वार किया। जिससे

वे उनके सिर खून बहने लगा और मौके पर ही मौत हुई। जब भाई उसे रोकने गया तो वह कुल्हाडी लेकर उसके पीछे पड़ गया। भाई जान बचाने पड़ोसी के घर में छिप गया। उसका रुद्रावार देख इलाके के लोगों ने अपने घर के दरवाजे बंद किए। इसके बाद रविंद्र सड़क पर आ गया। उसी समय गांव का एक शख्स बाइक से जा रहा था, उसके सिर में भी रविंद्र ने कुल्हाडी से वार करने के उसकी मौके पर मौत हुई। इसके बाद वह नाचते हुए वहां से निकला और काम पर निकले एक 60 वर्षीय बुजुर्ग पर अटैक किया, उनकी भी मौके पर ही मौत हुई।

उसे रोकने गए चार लोग भी इसके द्वारा हमला करने पर गंभीर रुप से घायल हुए। तब तक युवकों की भीड़ उसके पीछे पड़ गई। गांव के युवकों ने साहस जुटाकर रविंद्र को पकड़ लिया। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले किया गया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अमेरिका में मोदी पर राहुल...

राहुल गांधी ने कई मुद्दों पर बोलते हुए कहा, मैं पीएम पद का उम्मीदवार बनने को तैयार हूं। हमारी पार्टी में लोकतंत्र है और अगर पार्टी कहेगी तो मैं जिम्मेदारी लूंगा। राहुल ने आगे कहा, मैं सरकार की जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं। अगर हमारी सरकार बनी तो हम कानून बनाने की प्रक्रिया में भी सुधार करेंगे। राहुल ने कश्मीर में अशांति को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने कहा, नौ साल मैंने मनमोहन सिंह, चिंदबरम, जयराम नरेश के साथ मिलकर कश्मीर पर काम किया और 2013 में हमने मनमोहन को गले लगाकर कहा कि आप की सबसे बड़ी सफलता कश्मीर में आतंकवाद को कम करना है। उन्होंने कहा, हमनें कश्मीर को लेकर कभी बड़े-बड़े भाषण नहीं दिए, हमनें वहां पर पंचायती राज पर काम किया और छोटे लेवल पर लोगों से बात की। राहुल ने कहा, साल 2014 में कश्मीर में फिर सुरक्षाकर्मियों की जरूरत पड़ गई। कश्मीर में कई पार्टियां हैं। पीडीपी ने नए लोगों को राजनीति में लाने का काम किया, लेकिन बीजेपी के साथ गठबंधन के बाद ये चीज बंद हुई। अब युवा आतंकियों के पास जा रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने आतंकियों को जगह दे दी और देखिए हिंसा बढ़ गई। राहुल ने नोटबंदी को लेकर भी पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, नोटबंदी ने देश की अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। इससे हमारी विकास दर दो फीसदी तक गिर गई है। राहुल ने कहा, कांग्रेस, बीजेपी और आरएसएस की तरह नहीं है। मेरा काम लोगों का सुनना है और उसके बाद फैसला लेना है। मैं किसी और की तरह खड़ा होकर नहीं बोलता देखिए मैं ये कर दूंगा। राहुल ने बिना नाम लिए पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बीजेपी एक ऐसी मशीन है, जहां सिर्फ मेरे बारे में गलत चीजें फैलाई जाती हैं और यह ऑपरेशन एक सभ्य पुरुष (नरेंद्र मोदी) की तरफ से चलाया जाता है जो हमारे देश को चला रहा है।

सरकार का आदेश

राष्ट्रपति की तस्वीरें मुंबई, नागपुर, पुणे, औरंगाबाद, कोल्हापुर के सरकारी मध्यवर्ती मुद्रणालय में उपलब्ध हैं। संबंधित विभाग और कार्यालय को संबंधित सरकारी मुद्रणालय से संपर्क करने को कहा गया है। मंत्रालय के विभागों के अधीन आने वाले सभी प्रमुख अधिकारियों को तस्वीर लगाने के बारे में संबंधित कार्यालयों को सूचित करने को कहा गया है। मंत्रालय में मंत्रियों के कार्यालय में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की तस्वीरें लगी हुई हैं। शिवसेना के मंत्रियों ने अपने कार्यालय में शिवसेना प्रमुख दिवंगत बालासाहब ठाकरे, पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे की तस्वीरें भी लगाई हैं।

'आपसी सहमति से तलाक के लिए 6 महीने...

इस सेक्शन के तहत आपसी सहमति से तलाक के मामलों में भी अंतिम आदेश 6 महीने बाद दिया जाता है। सेक्शन 13बी(2) में कहा गया है कि पहले मोशन यानी तलाक की अर्जी फैमिली जज के सामने आने के 6 महीने बाद ही दूसरा मोशन हो सकता है। कानून में इस अवधि का प्रावधान इसलिए किया गया है ताकि पति-पत्नी में अगर सुलह मुमकिन हो तो दोनों इस पर विचार कर सकें। सरल भाषा में कहें तो आपसी सहमति से तलाक के आवेदन को स्वीकार करने के बाद जज दोनों पक्षों को 6 महीने का समय देते हैं। अगर इस अवधि के बाद भी दोनों पक्ष साथ रहने को तैयार नहीं होते तो तलाक का आदेश दिया जाता है। आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आदर्श कुमार गोयल और यु यु ललित की बेंच ने इस अनिवार्यता को खत्म कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अंतिम आदेश के लिए 6 महीने का वक़्त लेना सिविल जज के विवेक पर निर्भर होगा। अगर जज चाहे तो खास परिस्थितियों में तुरंत तलाक का आदेश दे सकते हैं। फैसले में कहा गया है कि तलाक की अर्जी लगाने के 1 सप्ताह बाद पति-पत्नी ऊपर बताई गई परिस्थितियों का हवाला देते हुए तुरंत आदेश की मांग कर सकते हैं। अगर फैमिली जज को उचित लगे तो वो तलाक का आदेश जल्दी दे सकते हैं। ये फैसला दिल्ली के एक दंपत्ति के मामले में आया है। 8 साल से अलग रह रहे पति-पत्नी ने आपसी सहमति से तीस हजारी कोर्ट में तलाक का आवेदन दिया। इससे पहले दोनों ने गुजारा भत्ता, बच्चों की कस्टडी जैसी तमाम बातें भी आपस में तय कर लीं। इसके बावजूद जज ने उन्हें 6 महीने इंतजार करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 6 महीने के इंतजार को खत्म किया। साथ ही, देश की तमाम फैमिली अदालतों को ये निर्देश दिया कि अब से वो हिन्दू मैरिज एक्ट के सेक्शन 13बी(2) को अनिवार्य न मानें। अगर जरूरी लगे तो फौरन तलाक का आदेश दें।

दिलीप कुमार ने जीता 11 साल...

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले दिलीप कुमार को पाली हिल्स बंगले के विवाद को सुलझाने के लिए एक रियल एस्टेट कंपनी को 20 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया था। कोर्ट का कहना था कि इस रकम को सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करा कर कंपनी को इसकी सूचना दे। रकम जमा कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर दिलीप कुमार को 4 हफ्ते का समय दिया था। बता दें कि साल 2006 में दिलीप कुमार ने मुंबई के रियल एस्टेट फर्म प्राजिता डेवलपमेंट से 2412 स्क्वायर गज में फैले इस बंगले के डेवलपमेंट के लिए करार किया था, लेकिन बिल्डर ने कोई काम नहीं किया इसके बाद दिलीप कुमार ने बंगले को बिल्डर से वापिस लेने की मांग की थी। उसके बाद से ही ये प्रॉपर्टी केस चल रहा है। केस जीतने के बाद बंगले की चाबियां सायरा को सौंप दी गई हैं।

SC ने पटाखों की बिक्री पर से हटाया बैन

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों की बिक्री के लिए स्थाई और खुदरा लाइसेंस निलंबित करने के अपने पिछले साल नवंबर के आदेश में आज कुछ समय के लिए संशोधन किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दीवाली पर्व के बाद स्थाई लाइसेंस निलंबित करने के आदेश को हटाने के बारे में समीक्षा की आवश्यकता हो सकती है लेकिन यह इस त्यौहार के बाद वायु की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा। न्यायमूर्ति मदन बी.लोकूर और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की दो सदस्यीय पीठ ने केन्द्र और संबंधित प्राधिकारियों से कहा कि वे लोगों को अलग-अलग पटाखे चलाने की बजाए सामूहिक रूप से इसमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने पर विचार करें। शीर्ष अदालत ने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है जो दशहरा और दीवाली पर्व के दौरान चलाए गए पटाखों का लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करेगी। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि इस बार अस्थाई लाइसेंसों की संख्या पिछले साल की तुलना में आधी की जाए। कोर्ट ने इसकी अधिकतम सीमा 500 निर्धारित की है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, स्थाई लाइसेंस निलंबित करने के निर्देश संबंधी 11 नवंबर, 2016 का आदेश कुछ समय के लिए हटाया जा रहा है। दीवाली के बाद इसकी समीक्षा की आवश्यकता हो सकती है लेकिन यह इस पर्व के बाद वायु की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा। हालाकि, यह स्पष्ट किया जाता है कि स्थाई लाइसेंसधारकों पटाखों की बिक्री दिए गए निदेर्शों के अनपुरूप ही होनी चाहिए और यह विस्फोटक नियमों के अनुपालन के मुताबिक होने चाहिए। पीठ ने कहा, वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव, स्वच्छ हवा में सांस लेने के मानव अधिकार और स्वास्थ के मानव अधिकार को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार और दूसरे प्राधिकारियों को लोगों को अलग-अलग पटाखे चलाने की बजाए उन्हें सामूहिक रूप से पटाखे चलाने के लिए प्रोत्साहित करने पर विचार करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च स्तरीय समिति को अपनी अध्ययन रिपोर्ट 31 दिसंबर तक न्यायालय में दाखिल करनी होगी। न्यायालय ने कहा, दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया जाता है कि वह 2016 की तुलना में इस बार पटाखों की बिक्री के लिए अस्थाई लाइसेंसों की संख्या में 50 प्रतिशत कटौती करे। अस्थाई लाइसेंस 500 से अधिक नहीं होने चाहिए। न्यायालय ने कहा, इसी तरह, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में राज्यों को भी निर्देश दिया जाता है कि वे भी 2016 में दिए गए अस्थाई लाइसेंसों की तुलना में इस बार 50 प्रतिशत से अधिक अस्ठाई लाइसेंस नहीं दें। अस्थाई लाइसेंस वितरित करने के इलाके के बारे में प्राधिकारी ही निर्णय लेंगे। न्यायालय ने कहा कि चूंकि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पर्याप्त पटाखे उपलब्ध हैं, इसलिए बाहर से पटाखों को लाने पर प्रतिबंध लगाया जाता है और संबंधित प्रवर्तन एजेन्सियां यह सुनिश्चित करेंगी कि अगले आदेश तक दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में और पटाखों का प्रवेश नहीं हो।

ब्लू व्हेल गेम की रहस्यमय कहानी का खुलासा

लोगों को सुसाइड के लिए प्रेरित करने वाला ब्लू व्हेल गेम दिन ब दिन खतरनाक होता जा रहा है। हर दिन नए लोग इसका शिकार बनते हैं और हर शिकार के साथ नया किस्सा जुड़ जाता है। परदेश में इजात हुए इस गेम की शुरूआत साल 2013 में हुई लेकिन भारत में ये गेम जुलाई के महीने से सुर्खियों में आया। इससे भी ज्यादा हैरान करने वाली बात कि जिस शक्स ने इसे इजात किया वो दूसरों को सुसाइड के लिए प्रेरित करने के जुर्म में जेल में कैद है।

इसके बाद पहला सवाल कि अब इस गेम को ऑपरेट कौन कर रहा है? इसके अलावा इस खेल में जिन भी लोगों की जान बची उन्होंने जो दास्तां बयान की वो भी अपने आप में सवाल खड़े करने वाली थी। सवाल ये भी उठता है कि अखिरकार इस गेम में ऐसा क्या है कि इसे लोग छोड़ नहीं पाते? क्यों इसे ब्लॉक नहीं किया जा रहा? कहां से डाउनलोड होगा ये गेम? जवाब खोजने के लिए हाल ही के कुछ किस्से खंगाले तो हरेक जवाब के साथ एक सवाल जरूर सामने आया। कहा ये भी जाता है गेम को ब्लॉक नहीं कर सकते क्योंकि इसका कोई लिंक नहीं मिल रहा है फिर कहां से एप डाउनलोड किया गया? आइए एक नजर डालते हैं ऐसे ही अनसुलझे पहलुओं की अनसुलझी कहानियों पर.....

साइबेरिया में इजात हुआ ब्लू व्हेल गेम...

इस गेम को रूस के साइबेरिया प्रांत के एक व्यक्ति ने ईजाद किया है। फिलिप बुदेकिन नाम के 22 साल के लड़के ने ब्लू व्हेल चैलेंज की शुरूआत 2013 की थी। फिलहाल वो रूस के युवाओं को मरने के लिए प्रोत्साहित करने के जुर्म में जेल में 3 साल की सजा काट रहा है। इसने लोगों से, विशेषकर टीनेजर्स से, ऑनलाइन कॉन्टैक्ट करना शुरू किया ताकि वह तय कर सके कि यह गेम सफलतापूर्वक कौन खेल पाएगा। वह लोगों से अपने बारे में बात करने के लिए कहता, स्काइप पर उनसे बात करता और उन्हें बहुत निराशाजनक कॉन्टेंट देखने के लिए कहता। वह उन कमजोर लोगों को चुनता जिन्हें वो फलतापूर्वक फुसला सकता था। इसके बाद खिलाड़ियों को रोज एक टास्क देता जिन्हें उन्हें 50 दिन के भीतर खत्म करना होता। गेम आसान से टास्क्स के साथ शुरू होती लेकिन आगे जाकर टास्क मुश्किल होने लगते। मसलन टास्क्स में नस काटने, किसी जानवर को मारने और अंत में आत्महत्या करने के लिए कहा जाता।

राजस्थान की लड़की का किस्सा...

जोधपुर की एक लड़की अपने घर से ये बोलकर निकलती है कि उसे अपने सहेली से मिलने जाना है लेकिन वो शहर के तालाब में जाकर कूद जाती है। पूछे जाने पर बार-बार ये कह रही है कि अगर वो बच गई तो उसकी मां को कुछ हो जाएगा। कुछ कर दिया जाएगा। बताती है कि उसे मारने के लिए 4 ऑप्शन दिए गए थे। पहला, अपने हाथ पर शार्क बना लो। दूसरा, छत से कूद जाओ। तीसरा समुंदर में कूद जाओ और चौथा तालाब में कूद जाओ। लड़की कहती है कि उसने इस खेल के बारे में पेपर में पढ़ा था और एक रात इसे डाउनलोड किया पूरी रात खेला और दूसरे दिन सुसाइड करने निकल पड़ी।

गेम टास्क के लिए छोड़ी नौकरी...

पुद्दुचेरी का एक लड़का गेम खेलना शुरू करता है। कहता है कि हर रात 2 बजे के बाद इस गेम से संबंधित टास्क पूरे करने होते थे। इसलिए चेन्नई में ड्यूटी भी ज्वाइन करने नहीं जाता। इस गेम का लिंक दो हफ्ते पहले एक वॉट्सएप ग्रुप पर मिला था। उसके करीब 5 लेवल तक ये गेम खेला और अपने हाथ में व्हेल बना ली। कहा गया कि उसकी सारी कॉन्टैक्ट डिटेल एडमिन ने उससे ले ली। उसे रशिया से कॉल भी आए। उसके अजीब से व्यवहार के कारण उसके भाई ने उसकी काउंसलिंग करवाई। इन दास्तानों में सुलगते सवाल... कहा जाता है कि ब्लू व्हेल गेम को पूरा करने में 50 दिन लगते हैं लेकिन जोधपुर की लड़की के साथ एक ही रात में ऐसा क्या हो गया कि अगले ही दिन सुसाइड के लिए निकल पड़ी। इसके अलावा आत्महत्या के लिए चार ऑप्शन दिए गए थे, उसमें से एक हाथ में शार्क बनाना लेकिन लड़की ने ये ऑप्शन क्यों नहीं चुना। हाथ पर मछली बनाने से कोई मरता नहीं।

पुलिस की जांच ज्यादा बड़ा रहस्य...

➢ अगर ये किस्से झूठे हैं तो ये लोग ऐसे फेक किस्से क्यों सुना रहे हैं?

➢ अगर झूठ नहीं तो क्या ब्लू व्हेल गेम खेलने के नए तरीके निकल गए हैं?

➢ आखिर जो लोग बचे उनके मोबाइल से ब्लू व्हेल का कोई लिंक क्यों नहीं लिया जा रहा है?

➢ अचानक इतने किस्से कहां से आ गए? क्या किसी ने भी 50 दिन का टार्गेट पूरा नहीं किया?

➢ जिन लोगों की मौत वाकई ब्लू व्हेल गेम से हुई है उनके फोन से कुछ क्यों नहीं निकाल पा रही?

➢ ब्लू व्हेल का पहला शिकार 29 जुलाई को सामने आया था लेकिन तब से लेकर अभी तक उसके फोन की फोरेंसिक जांच का नतीजा क्यों नहीं आया?

इन पहेलियों का नहीं कोई जवाब...

➢ ब्लू व्हेल गेम से ज्यादा खतरनाक ये किस्से जिनका कोई प्रमाण नहीं है।

➢ हो सकता है कि इस गेम की आड़ लेकर हैकर्स ने नए एप्स बना लिए हों।

➢ हो सकता है कि कई लोग सिर्फ पब्लिसिटी के लिए इस गेम के किस्से सुना रहे हों।

➢ इंटरनेट पर कई एप्स उपलब्ध हैं जो ये दावा करते हैं कि ब्लू व्हेल गेम के हैं लेकिन लगभग सभी फेक हैं।

➢ अगर कोई अभी गेम के कारण आत्महत्या करता है तो रूल्स के मुताबिक इस गेम को कम से कम जुलाई से खेल रहा होगा।

➢ ये गेम भी चोटी काटने वाली घटना की तरह बन गया है, जिसमें किसी को कुछ भी पता नहीं था लेकिन सभी की अपने-अपने हिसाब से कहानियां अलग।

ब्राईट के योगेश लखानी की मुलाकात इवेंट्स के दौरान कई बॉलीवुड सितारे और नेताओं से हुई

जैसा ही हम जानते हैं की ब्राईट के योगेश लखानी बॉलीवुड और कॉर्पोरेट इवेंट में सबसे ज्यादा दिखाई देते हैं क्यूंकि १०० में से ९० प्रतिशत फिल्म और इवेंट में ब्राईट पार्टनर होता है। हाल ही में योगेश लखानी की मुलाकात हुई सनी लियोन ,अवधूत गुप्ते , बाबा रामदेव ,दलाई लामा ,सचिन तेंदुलकर ,सचिन पिलगाओंकर ,राज ठाकरे ,फाल्गुनी पाठक ,बाबुल सुप्रियो से हुई।

संयुक्त राष्ट्र ने उत्तर कोरिया पर लगाए सबसे कड़े प्रतिबंध

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिसके तहत उत्तर कोरिया पर अब तक के सबसे कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन प्रतिबंधों से उत्तर कोरिया के बड़े नियार्तों को निशाना बनाने के साथ ही उसे तेल की आपूर्ति में 30 फीसदी की कटौती की जाएगी।

परमाणु हथियारों से लैस उत्तर कोरिया को नहीं करेंगे स्वीकार

प्रस्ताव 2375 का मसौदा अमरीका ने तैयार किया है।15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने इसे सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। संयुक्त राष्ट्र में अमरीका की राजदूत निक्की हेली ने कहा, आज, हम दुनिया को यह बता रहे हैं कि हम कभी परमाणु हथियारों से लैस उत्तर कोरिया को स्वीकार नहीं करेंगे।

उत्तर कोरिया पर लगाए अब तक के सबसे कड़े प्रतिबंध

आज, सुरक्षा परिषद कह रहा है कि अगर उत्तर कोरिया शासन ने अपना परमाणु कार्यक्रम बंद नहीं किया, तो हम उसे रोकने के लिए खुद कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा, हमने कोशिश की कि शासन सही कार्य करे। अब हम गलत कार्य करते रहने की क्षमता हासिल करने से उसे रोकने के लिए कदम उठा रहे हैं। हेली ने कहा कि इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार कार्यक्रमों को ईंधन एवं धन मुहैया करवाने वाले साधनों को निशाना बना रहा है।

अमरीकी राजदूत ने जिक्र किया कि उत्तर कोरिया के परमाणु हथियार बनाने एवं वितरित करने में तेल की मुख्य भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव के तहत गैस, डीजल और भारी ईंधन तेल में 55 प्रतिशत तक कटौती करने से उत्तर कोरिया को मिलने वाले तेल में 30 प्रतिशत तक की कमी आएगी। उन्होंने कहा, आज का प्रस्ताव प्राकृतिक गैस एवं तेल के अन्य सह-उत्पादों पर पूरी तरह रोक लगाता है, जिनका इस्तेमाल पेट्रोलियम घटने की स्थिति मे विकल्प के तौर पर किया जा सकता है। इससे गहरा प्रभाव पड़ेगा। हेली ने कहा कि उत्तर कोरिया पर लगाए ये अब तक के सबसे कड़े प्रतिबंध हैं।

अब निकाह के समय ही हो जाएगा तीन तलाक को ना कहने का फैसला!

उच्चतम न्यायालय की ओर से एक बार में तीन तलाक को असंवैधानिक और गैरकानूनी करार दिए जाने के मद्देनजर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने फैसला किया है कि अब निकाह के समय ही काजियों और धर्मगुरुओं के माध्यम से वर और वधू पक्ष के बीच यह सहमति बन जाएगी कि रिश्ते को खत्म करने के लिए किसी भी सूरत में तलाक-ए-बिद्दत का सहारा नहीं लिया जाएगा। बीते 22 अगस्त को देश की शीर्ष अदालत ने एक बार में तीन तलाक (तलाक-ए-बिद्दत) को गैरकानूनी और असंवैधानिक करार दिया था।

निकाह के समय ही परिवार वालों के बीच होगी सहमती

बोर्ड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कल भोपाल में हुई जिसमें बोर्ड ने स्पष्ट किया कि वह न्यायालय के फैसले का सम्मान करता है और तीन तलाक के खिलाफ और शरीयत को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान शुरू करेगा। पर्सनल लॉ बोर्ड की इस बैठक में कुछ और भी फैसले किए गए जिसमें शादी के समय ही एक बार में तीन तलाक को ह्यनाह्ण कहने की बात प्रमुख है। बोर्ड के एक शीर्ष पदाधिकारी ने बताया कि बेहतर होगा कि निकाह के समय ही लड़का और लड़की के परिवारों में यह सहमति बन जाए कि अगर रिश्ते खत्म करने की कोई स्थिति पैदा होती है तो इसके लिए तलाक-ए-बिद्दत का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

लोगों को किया जाएगा जागरूक

सुन्नी मुसलमानों के हनफी पंथ में तलाक-ए-बिद्दत की प्रथा रही है। बोर्ड का शुरू से यह मत रहा है कि तलाक-ए-बिद्दत तलाक का बेहतर तरीका नहीं है। उसने कई बार लोगों से तलाक के इस तरीके पर अमल नहीं करने की अपील की थी। बोर्ड का कहना है कि न्यायालय के फैसले के बाद लोगों की जागरूकता फैलाना जरूरी है और इसलिए व्यापक अभियान शुरू किया जाएगा। बोर्ड के सदस्य कमाल फारूकी ने कहा कि इस अभियान के लिए अगले कुछ दिनों में तैयारियां शुरू हो जाएंगी। इस संदर्भ में पर्चे और दूसरी चीजें की जा रही हैं।

राहुल गांधी के बयान पर स्मृति इरानी का पलटवार

भारतीय जनता पार्टी ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में अपने भाषण में देश के नागरिकों का अपमान किया है और कहा कि उनके इस बयान पर कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है कि उनकी पार्टी अहंकार में आ गई थी। गांधी ने कल देर रात अपने संबोधन में विभिन्न मुद्दों पर मोदी सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें 2012 में अहसास हो गया था कि कांग्रेस अहंकारग्रस्त हो गयी है।

कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत

भाजपा की वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री स्मृति इरानी ने संवाददाता सममेलन में कहा कि उन्हें राहुल का अंतर्राष्ट्रीय उद्बोधन सुनने को मिला जिसमें उन्होंने कुछ ऐसी बातें कही हैं जिनसे देश के लोगों का अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि राहुल ने यह भी स्वीकार किया है कि उन्हें 2012 में अहसास हो गया था कि कांग्रेस पार्टी अहंकारी हो रही है। राजनीतिक इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब कांग्रेस उपाध्यक्ष ने कांग्रेस अध्यक्ष पर तंज कसा है। वर्ष 2012 में सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष थी और राहुल महासचिव थे। यह बहुत बड़ी राजनीतिक स्वीकारोक्ति है। राहुल ने कांग्रेस पार्टी में जिस अहंकार का संकेत दिया है, उस पर उनकी पार्टी को चिंतन करने की जरूरत है।

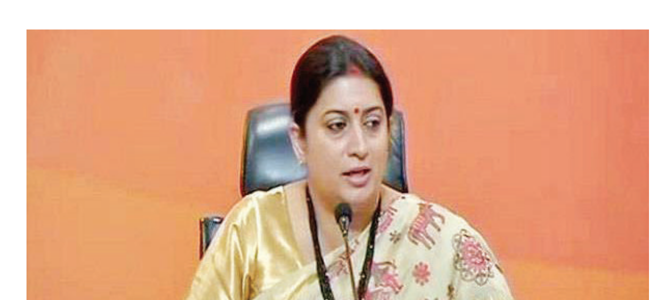

स्मृति इरानी ने राहुल गांधी को दी चुनौती

स्मृति इरानी ने कहा कि राहुल की सफलता और विफलता का मापदंड अमेठी में देखा जाना चाहिए। उन्होंने अपने इलाके में कितना विकास किया, उसी पर चर्चा कर लेते तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाता। भाजपा नेता ने जीएसटी का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में जीएसटी की विफलता का कारण यह था कि उसने किसी पार्टी या राज्य सरकार का विश्वास हासिल करने का प्रयास नहीं किया। अगर ऐसा हुआ होता तो जीएसटी कांग्रेस के कार्यकाल में ही आ गया होता। जीएसटी और नोटबंदी पर उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह संसद के अगले सत्र में या फिर किसी अन्य मंच पर भाजपा के किसी भी कार्यकर्ता के साथ बहस कर लें बशर्ते वह लिखा हुआ कागज ना लाएं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर शुरू करने पर भारत से बातचीत को तैयार: चीन

बीजिंग। चीन ने कहा है कि वह सिक्किम में नाथुला दर्रे को भारतीय श्रद्धालुओं के लिए फिर खोलने पर बातचीत करने को तैयार है। हालांकि भारत से ब्रह्मपुत्र नदी का हाइड्रोलॉजिकल डाटा शेयर करने से बीजिंग ने इनकार कर दिया है। बता दें कि नाथुला दर्रे से होकर ही भारतीय श्रद्धालु तिब्बत में कैलाश-मानसरोवर की यात्रा पर जाते हैं। डोकलाम गतिरोध के चलते जून में ये यात्रा रोक दी गई थी। खबर के मुताबिक चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन गेंग शुआंग ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा, चीन नाथुला दर्रे को फिर से खोलने के मसले पर भारत से बातचीत करने को तैयार है। लंबे समय तक चीन ने भारतीय श्रद्धालुओं को जरूरी सुविधाएं दी हैं। भारत-चीन सीमा के वेस्टर्न सेक्शन ने दोनों देशों के बीच हुए समझौते को मान्यता दी है। इसके तहत ही चीन ने भारतीय श्रद्धालुओं के लिए नाथुला दर्रा खोला था। लेकिन भारतीय सैनिकों के गैरकानूनी तरीके से बॉर्डर क्रॉस करने के चलते सीमा पर विवाद पैदा हो गया, इसलिए नाथुला दर्रा बंद कर दिया गया था।

1981 में शुरू हुई थी यात्रा

मानसरोवर यात्रा के लिए सिक्किम होकर जाने वाले रास्ते को 2015 में खोला गया था, इसके जरिये श्रद्धालु बसों से नाथुला से कैलाश तक 1500 किमी की दूरी तय करते हैं। ये यात्रा इंडियन फॉरेन मिनिस्ट्री की तरफ से 1981 में शुरू की गई थी, तब ये हिमालय के लिपु दर्रे से होकर तय की जाती थी, जो उत्तराखंड के कुमायूं क्षेत्र को तिब्बत के पुराने व्यापारिक शहर ताकलाकोट को जोड़ता था। गेंग शुआंग ने कहा, हमने लंबे समय से भारत के साथ ब्रह्मपुत्र नदी के डाटा को लेकर सहयोग किया है, लेकिन चीनी क्षेत्र (तिब्बत) में डाटा कलेक्शन स्टेशन को अपग्रेड किया जा रहा है, इसके चलते हम इस स्थिति में नहीं हैं कि डाटा कलेक्ट कर सकें और भारत से उसे शेयर किया जा सके।

भारत इस बारे में जानता है

जब गेंग से पूछा गया कि क्या भारत को हाइड्रोलॉजिकल डाटा साझा नहीं करने की जानकारी दी गई है, इस पर गेंग ने कहा, जहां तक मेरी जानकारी है, भारतीय पक्ष इस बारे में जानता है। जब गेंग से पूछा गया कि चीन डाटा कब मुहैया कराएगा तो उन्होंने कहा कि इस बारे में बाद में सोचा जा सकता है।

इंडियन फॉरेन मिनिस्ट्री ने क्या कहा था?

18 अगस्त को इंडियन फॉरेन मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन रवीश कुमार ने कहा था, 2006 में दोनों देशों के बीच इस मसले पर एक्सपर्ट लेवल का एक मैकेनिज्म बनाया गया था, जो आज भी प्रासंगिक है। दो एमओयू हुए थे जिसके तहत चीन को बाढ़ के मौसम (15 मई से 15 जून के बीच) में सतलज और ब्रह्मपुत्र नदी का डाटा भारत के साथ शेयर करना है, पर इस साल अब तक हमें चीन की तरफ से हाइड्रोलॉजिकल डाटा नहीं मिला है। बता दें कि चीन हर साल ये डाटा भारत के साथ शेयर करता है ताकि पानी के बहाव का अनुमान लगाकर भारत के नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में आने वाली बाढ़ से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें।

इटावा में गाड़ी का टायर फटने के बाद हादसे से बचे क्रिकेटर सुरेश रैना

लखनऊ। टीम इंडिया में वापसी के प्रयास में लगे क्रिकेटर सुरेश रैना कल रात एक सड़क हादसे में बाल-बाल बच गए। गाजियाबाद से कानपुर आ रहे सुरेश रैना की गाड़ी का टायर कल देर रात करीब दो बजे इटावा में फट गया। इसके बाद पुलिस ने उनको दूसरी गाड़ी से कानपुर भेजा। इटावा की फ्रेंड्स कॉलोनी के पास उनकी तेज रफ्तार रेंज रोवर कार (डीएल-1- सीएम- 4919) का टायर फट गया। रैना रात में सड़क के किनारे खड़े हो गए। इस हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दूसरी कार से उन्हें कानपुर भेजा। रैना को दिलीप ट्रॉफी में इंडिया ब्लू टीम की कमान सौंपी गई है। टीम को अपना मैच इंडिया रेड से 13 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेलना है। इटावा में उनकी कार का पिछला टायर फट गया। टायर फटने की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पहले टायर को ठीक करने की कोशिश हुई, लेकिन स्टेपनी न होने की वजह से पहिया बदला नहीं जा सका। इसके बाद सुबह 5.30 बजे एसएसपी वैभव कृष्ण ने सुरेश रैना को दूसरी कार से कानपुर भेजा। रैना ने बताया कि कार खराब होने की वजह से दिक्कत हुई। उन्होंने कहा कि आज सुबह सात कानपुर के लैंडमार्क होटल पहुंचे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसडीपी) राजेश कुमार सिंह ने कहा कि जिस वक्त घटना हुई उस समय रैना अपनी रेंज रोवर कार चला रहे थे। राहत की बात यह रही कि जिस वक्त गाड़ी का टायर फटा उस समय गाड़ी की गति अधिक नहीं थी। जिस कारण क्रिकेटर सुरेश रैना को कोई चोट नहीं आई। घटना के बाद पुलिस ने एक और कार की व्यवस्था की जिसमें रैना कानपुर के लिए रवाना हुए।

रात में सुनसान हाइवे पर अकेले खड़े रहे रैना

टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज सुरेश रैना देर रात सुनसान नेशनल हाइवे नंबर 2 पर खड़े रहे। करीब आधे घंटे तक हाइवे पर परेशान होने के बाद इटावा पुलिस की मदद से वह कानपुर के लिए रवाना हो सके। इंडिया रेड टीमों के बीच होने वाले मैच में सुरेश रैना इंडिया ब्लू टीम के कप्तान हैं। रात रैना नेशनल हाइवे नंबर दो से निजी कार से गाजियाबाद से कानपुर आ रहे थे। रात करीब तीन बजे उनकी कार का टायर इटावा के पास पंचर हो गया। इसकी सूचना रैना ने फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस को दी। इस पर थानाध्यक्ष भोलू भाटी मौके पर पहुंचे और उनके लिये आनन फानन में दूसरी स्कार्पियो कार की व्यवस्था करवाकर कानपुर भिजवाया। भोलू भाटी ने बताया कि रैना करीब आधा घंटे तक खड़े रहे। उनकी कार का ड्राइवर बाद में उन्हें कानपुर छोड़कर दूसरा टायर लेकर वापस इटावा आया और कार ले गया। सुबह साढ़े छह बजे होटल पहुंचे सुरेश रैना कमरे में जाकर सो गये। रैना ने बताया कि इटावा पुलिस ने देर रात काफी मदद की और ज्यादा दिक्कत नहीं हुई ड्राइवर कार लेकर आ गया है।

बेखौफ अपराधियों ने जदयू नेता को गोलियों से भूना, मौत

पटना। बिहारशरीफ के नगरनौसा थानाक्षेत्र के अंतर्गत बडीहा मार्ग पर सोमवार की देर शाम अज्ञात बदमाशों ने गोराइपुर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सह जदयू नेता की गोलियों से छलनी कर हत्या कर दी। मृतक सुबोध प्रसाद हैं। इस घटना में उनके व्यवसायी दोस्त उदय प्रसाद बाल-बाल बच गए। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। प्रत्येक दिन की तरह सुबोध प्रसाद बाइक से दोस्त के साथ गांव लौट रहे थे, उसी दौरान पूर्व से घात लगाए बदमाशों ने काठी पुल के समीप हथियार का भय दिखाकर उनकी बाइक रोक दी और बिना कुछ कहे उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया। पैक्स अध्यक्ष को बदमाशों ने सिर, कान और छाती में गोलियां मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उनके दोस्त उदय प्रसाद अपनी जान बचाने के लिए पुल के नीचे कूद गए। बदमाशों ने उनका पीछा नहीं किया। घटना के बाद चश्मदीद दोस्त काफी सहमें हैं, इस कारण वह बदमाशों के संबंध में विस्तार से जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। खून से लथपथ अध्यक्ष को आनन-फानन में इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से उन्हें पटना रेफर कर दिया गया। पटना जाने के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। मृतक जदयू के जिला कार्यकारिणी सदस्य थे। थानाध्यक्ष कमलेश सिंह ने बताया कि हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

6 दिन में दो जदयू नेताओं की हत्या

6 दिनों के दौरान जिले में दो जदयू नेताओं को मौत के घाट उतार दिया गया। बीते बुधवार की रात वेना के मुर्गियाचक गांव में जदयू दलित प्रकोष्ठ रहुई प्रखंड अध्यक्ष राधे पासवान की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों ने आरोपों में बताया है कि पंचायत चुनाव की रंजिश में इनकी हत्या की गई है। इस मामले में पुलिस ने सुपासंग पंचायत के मुखिया पति समेत तीन को गिरफ्तार किया है।

हत्या पर पर्दा डालने का प्रयास

घटना के घंटे भर बाद पुलिस अधिकारियों ने मौत की पुष्टि की। इलाके के ग्रामीणों की मानें तो बवाल के डर से अध्यक्ष के मौत की बात पर पर्दा डालने का प्रयास किया गया। 7 बजे सुबोध प्रसाद बाजार से अपने व्यवसायी दोस्त के साथ गांव जाने के लिए निकले। करीब 7:30 बजे उन्हें तीन गोलियां मारी गईं।

बीमार बच्चे ने रास्ते में ही तोड़ा दम तो मां-बाप ने नदी में उछालकर फेंक दिया

सीतामढ़ी। जिला मुख्यालय से इलाज करा कर लौटते वक्त एक बच्चे ने सोमवार शाम थाना क्षेत्र के रेवासी गांव में दम तोड़ दिया। मां-बाप ने उसे बागमती पुरानी धार में फेंक दिया। लोगों को संदेह हुआ तो शव को पानी से निकाला और दंपती की पिटाई कर दी। बाद में पुलिस ने शव के साथ दंपती को थाने पर लाकर पूछताछ की। इसके बाद पीआर बांड पर मुक्त कर दिया गया। शिवहर जिले के पुरनहिया थाने के बसंत जगजीवन निवासी मनोज महतो और दुलारी देवी को छह माह का एक बेटा था। जन्म के समय से ही वह बीमार रहता था। दपंती बच्चे को लेकर सीतामढ़ी इलाज कराने आए थे। लौटते वक्त बच्चे की मौत हो गई। उन्हें लौटकर रीगा के रामपुर गंगौली स्थित दुलारी के मायके जाना था। दोनों ने सोचा कि मरे बच्चे को लेकर क्या जाएं। इसलिए रेवासी के पास नदी में फेंक दिया।

वीकेंड में आराम करने के लिए बेस्ट है बुर्ज खलीफा, बच्चे भी नहीं होंगे बोर

आपके दुनिया की कई अजीब बिल्डिंग के बारे में सुना होगा लेकिन आज हम आपको दुनिया की सबसे ऊंची और अद्भुत इमारत के बारे में बताने जा रहें। दुबई के डाउनटाउन में मौजूद इस बिल्डिंग को पब्लिक के लिए खोला गया था। बुर्ज खलीफा नाम से जानी जाने वाली इस इमारत में हर साल बहुत से पर्यटक अपने वीकेंड का मजा लेने आते है। इसके अलावा यहां पर बच्चों के लिए भी हर तरह की सुविधा का इंतेजाम है। यहां पर आप अपनी फैमली के साथ दुबई घूमने का भी मजा ले सकते है।

163 फ्लोर वाली इस बिल्डिंग की ऊंचाई 2,716.5 फीट है। इस बिल्डिंग को बनने में कम से कम 6 साल लगे है। यूएई के प्रेसिडेंट खलीफा के नाम पर बनी यह बिल्डिंग इस्लामिक आर्किटेक्चर का एक बेहतरीन नमूना है।

बुर्ज खलीफा के इस कंस्ट्रक्शन को बनाने के लिए कम से कम 330,000 क्यूबिक मी. कंक्रीट और 55,000 टन स्टील का इस्तेमाल हुआ है। इसके निमार्ण के लिए तीन टावर क्रेने मंगवाई गई थी। जमीन में 50 मीटर गहराई में बनाई गई इस इमारत में 1.5 मी. डायमीटर वाले 43 मी. लंबे 192 पाइल्स बनाए गए है।

इस बिल्डिंग को बनाने के लिए चीन से 300 क्लैडिंग स्पेशलिस्ट को बुलाया गया था। 26000 ग्लास पैनल से बना यह इमारत भीषण गर्मी का सामना कर सकती है। इस इमारत में 59 लिफ्ट बनाई गई है जिसकी रफ्तार 65 कि.मी. प्रति घंटा है।

इस बिल्डिंग के टॉप फ्लोर पर आप किसी भी हिस्से से स्विमिंग पूल का मजा भी ले सकते है। इस बिल्डिंग के उपर से आप पूरे दुबई का मजा ले सकते है। रात के समय इस बिल्डिंग की खुबसूरती ओर भी बढ़ जाती है। अवलोकन डेक के दर्जे से सम्मानित इस बिल्डिंग में रेस्टोरेस्टोरेंट, एक्वेरियम, बीयर बार, शॉपिंग मॉल और थिएटर की सारी सुविधाएं मौजूद है। इसके अलावा इसके टॉप फ्लोर पर बेठ कर पूरा शहर देखने के लिए बहुत ही खुबसूरत जगहें बनाई गई है।

इस बिल्डिंग का हर कमरा आपको राजाओं के टाइम की याद दिला देगा। इसके अलावा यहां के बने थिएटर में आप ओपेरा के शो देखने का मजा ले सकते है। यहां पर आने के बाद आप वापस जाना भूल जाएंगे।

आसमान को छूती दुनिया की 6 सबसे ऊंची इमारतें

दुनिया में कई बड़े देश हैं और यहां बहुत-सी खूबसूरत बिल्डिंगें बनी हुई हैं। पहले तो सिर्फ अमेरिका में ही ऊंची बिल्डिंगें थी लेकिन आज दुनिया के कई देशों में आसमान को छूती इमारतें हैं। इन ऊंची बिल्डिंगों को देखकर तो एक बार चक्कर ही आ जाए। आइए जानिए दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग के बारे में

1. बुर्ज खलीफा
दुबई में कई ऊंची इमारतें हैं लेकिन यहां की बुर्ज खलीफा दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग है। इस इमारत की ऊंचाई 2717 फीट है और इसका निर्माण कार्य 2010 में पूरा हुआ।

2. शंघाई टावर
चीन के शंघाई शहर में बनी यह इमारत 2073 फीट ऊंची है और 2015 में इसका काम पूरा हुआ।

3. मक्का रॉयल क्लॉक टावर
सउदी अरब का सबसे मशहूर शहर मक्का का यह टावर बहुत ऊंचा है। इसकी ऊंचाई 1972 फीट है।

4. वर्ल्ड ट्रेड सेंटर
अमेरिका के न्यू यॉर्क शहर में मौजूद यह बिल्डिंग 1776 फीट ऊंची है। इसका निर्माण कार्य 2014 में पूरा हुआ था।

5. इंटरनैशनल कॉमर्स सेंटर
2010 में बनी हॉन्ग कॉन्ग की इस इमारत की ऊंचाई 1588 फीट है।

6. शंघाई वर्ल्ड फाइनैंशल सेंटर
चीन के शंघाई शहर में यह सेंटर 1614 फीट ऊंचा है और इसे 2008 में बनाया गया था।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
शुभ समाचार मिलेंगे। ईष्ट मित्रों से भेंट होगी। सम्मान मिलेगा। कुसगंति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

सिंह
चोट व रोग से बाधा संभव है। वाणी पर नियंत्रण रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अपनी वाणी पर संयम रखें।

धनु
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भूमि व भवन संबंधी कार्य बनेंगे। उन्नति होगी। धनार्जन होगा। जोखिम न उठाएं। वरिष्ठजनों से मेलजोल बढ़ेगा।

वृष
बेरोजगारी दूर होगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भागदौड़ होगी। कार्य को लेकर पार्टनर से विवाद होगा।

कन्या
धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी का कार्य निबटेगा। भय रहेगा। धनहानि संभव है। व्यापारिक पूंजी की व्यवस्था होने से खुशी रहेगी।

मकर
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धनलाभ होगा। थकान रहेगी। व्यापार, रोजगार की चिंता रहेगी।

मिथुन
अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। दूसरों से अपेक्षा न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। बनते कार्यों में विघ्न आएंगे। मन में खिन्नता रहेगी।

तुला
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से बचें। अस्वस्थता रहेगी। अपनी वाणी पर संयम रखें।

कुंभ
शारीरिक कष्ट संभव है। दु:खद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। विवाद न करें। तनाव रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

कर्क
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अस्वस्थता से बाधा संभव है। लाभ होगा। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृश्चिक
संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेचैनी रहेगी। जोखिम न लें। व्यवसाय में नया अनुबंध होगा।

मीन
प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। विवाद से बचें। शत्रु परास्त होंगे। चिंता रहेगी। मन खिन्न रहेगा।

शॉपिंग के दौरान मोलभाव के ये नुस्खे अपनाते हैं भारतीय

शॉपिंग करना किसे पसंद नहीं होता। आप जॉब करते हो या फिर कॉलेज स्टूडेंट हो, शॉपिंग करना आपके लिए जरूरी हो जाता है। लेकिन अकसर कई भारतीयों को शॉपिंग के दौरान मोलभाव करते हुए देखा जाता है। यह पैसे बचाने की एक बेहतरीन कला है, जो भारतीयों में कूट-कूटकर भरी है। खरीदारी के दौरान वे इसका प्रयोग कर पैसे कम करवाते हैं। आईए जानते हैं शॉपिंग के दौरान कैसे नुस्खे अपनाते हैं भारतीय।

मोलभाव के नुस्खे:-

– पुरानी रिश्तेदारी निकालना
कई लोग दुकानदार का शहर पूछकर उससे पुराने संबंध जोड़ने लगते हैं और खुद को भी उसी शहर का बताते हैं, ताकि वह आपको सही दाम पर सामान दे।

- ज्यादा सामान में डिस्काउंट
अरे भाई हम आपकी दुकान से

इतना सामान खरीद रहे हैं, कुछ तो कम कीजिए। ऐसा बोलकर आप दुकानदार पर पैसे कम करने के लिए दबाव डालते हैं और कुछ न कुछ छूट ले भी लेते हैं।

- स्टूडेंट डिस्काउंट
भईया मैं तो स्टूडेंट हूं, सारी पॉकेट मनी आपको दे देंगे, तो खाएंगे क्या? इस तरह की बातें सुनकर दुकानदार का दिल पसीज जाता है और वह छूट दे देता है।

- पुराना कस्टमर
भारतीय अकसर दुकानदार से कहते हैं कि हम तो आपके पुराने कस्टमर हैं, हमेशा आपसे ही सामान खरीदते हैं। अब क्या आप पुराने कस्टमर को भी छूट नहीं देंगे।

- दूसरे कस्टमर के सामने बुराई
आप दूसरे ग्राहकों के सामने दुकानदार के सामान में कमियां निकालने लगते हैं। इससे परेशान होकर दुकानदार आपसे छुटकारा पाने के लिए कम कीमत में सामान दे देता है।

- ऑनलाइन छूट
अरे, इस सामान पर ऑनलाइन 20 प्रतिशत छूट मिल रही है और आप इतना मंहगा दे रहे हो। कुछ तो कम करो, यह सुनकर कई बार दुकानदार कीमत थोड़ी कम कर ही देते हैं।

- दूसरे ऑप्शन
अरे शर्मा जी की दुकान पर यह 200 रुपए में मिल रही है और आप इतना अधिक ले रहे हैं। आपकी दुकान पहले पड़ गई इसलिए आ गया नहीं तो मैं कभी न आता।

मजबूत बाल और हेल्दी त्वचा के लिए डाइट में शामिल करें ये आहार

बालों और चेहरे को स्वस्थ रखने के लिए आप बहुत से आहारों का सेवन करते है। आज हम आपको ऐसे कुछ आहारों के बारे में बताने जा रहें है जिससे बाल और चेहरे के साथ-साथ नाखून भी स्वस्थ रहेंगे। इन आहारों का सेवन शरीर के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। आइए जानते है इन आहारों के बारे में जिनके सेवन से बाल, त्वचा और नाखूनों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

दालचीनी
दालचीनी के सेवन से आपके शरीर में खून का प्रवाह अच्छा होता है, जिससे आपके बालों और त्वचा को ऑक्सीजन मिलती है। इसके अलावा नाखूनों में भी पोषक तत्वों की कमी पूरी हो जाती है।

दालें
कोई भी दाल खाने से आपको बालों और त्वचा को आयरन, जिंक, प्रोटीन और बायोटिन भरपूर मात्रा में मिलता है। इसके अलावा ये आपके नाखूनों को भी मजबूत बनाने में मदद सकता है।

शकरकंदी
शकरकंदी शरीर में विटामिन ए की कमी को पूरा करने के साथ-साथ बालों में होने वाली खुजली और रूसी की समस्या को भी दूर करती है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन बालों और त्वचा को स्वस्थ बनाते है।

पालक
पालक में बीटा कैरोटीन, फोलेट और विटामिन होने के कारण बाल झड़ते और नाखून टूटते नहीं है। इसके अलावा इसका सेवन त्वचा के साथ-साथ आंखो के लिए भी अच्छा होता है।

कद्दू के बीज या साल्मन मछली
इन दोनों चीजों में विटामिन डी, ई और प्रोटिन जो आपके बाल, त्वचा और नाखूनों के लिए फायदेमंद होता है। कद्दू के बीज या मछली के अलावा अखरोट खाने से भी आपके बाल और त्वचा हेल्दी रहती है।

दालचीनी
दालचीनी के सेवन से आपके शरीर में खून का प्रवाह अच्छा होता है, जिससे आपके बालों और त्वचा को ऑक्सीजन मिलती है। इसके अलावा नाखूनों में भी पोषक तत्वों की कमी पूरी हो जाती है।

सेहत से जुड़े कई राज खोलते हैं आपके लिप्स

गुलाबी पिंक होंठ पाने की इच्छा तो हर किसी की होती है। महिलाओं की नैचुरल पर्सनैलिटी में होंठ को सबसे अट्रैक्टिव अंग माना जाता है लेकिन सिर्फ खूबसूरती ही नहीं बल्कि यह आपकी सेहत से जुड़े बहुत सारे संकेत भी देते हैं। शरीर अगर किसी बीमारी के घेरे में आ रहा है तो होंठों का रंग बदलना शुरू हो जाता हैं जिसे लोग नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आपके होंठों के रंग में बदलाव आना शुरू हो जाता है तो समझ लीजिए आपको सेहत संबंधी कोई ना कोई दिक्कत आने वाली है। अंदरूनी अंग, शरीर का तापमान और खून से जुड़ी समस्याओं का पता आपके होंठों का रंग बता देता है। अगर होंठों का रंग पीला, बहुत ज्यादा लाल या काला, नीला-जामुनी या फिर सफेद सा दिखाई पड़ता है तो लापरवाही ना बरतते हुए सेहत पर तुरंत ध्यान दें।

1. पीले और सफेद होंठ
कुछ लोगों के होंठों का रंग गुलाबी होने की बजाए पीला और कुछ का सफेद होता है।ऐसा कुदरती नहीं बल्कि एनीमिया यानि खून की कमी की वजह से होता है। रक्त में लाल हीमोग्लोबिन में रक्त कणों की कमी होने के कारण होंठों का रंग बदलना शुरू हो जाता है। होंठों के रंग में इस तरह का कोई बदलाव दिखाई दे तो डॉक्टरी सलाह जरूर लें और अपने खाने में आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन के अलावा पोषक तत्वों को शामिल करना शुरू करें।

2. लाल होंठ
होंठों का रंग बहुत ज्यादा लाल है तो यह भी सेहत संबंधी किसी समस्या का संकेत हो सकता है। इसकी वजह लीवर का कमजोर या फिर सही तरीके से काम न करना हो सकता है। इसके अलावा किसी खान-पान की किसी चीज से एलर्जी के कारण भी होंठों का रंग बहुत ज्यादा लाल दिखाई देने लगता है, जिससे कई बार होंठों पर सूजन भी आ सकती है।

3. जामुनी होंठ
होंठों का रंग बदलना कोई आम बात नहीं है। सेहत की गड़बड़ी से होंठों के रंग में बदलाव आना शुरू हो जाता है। अगर होंठों का नैचुरल गुलाबी रंग बदल कर जामुनी हो गया है तो दिल और फेफड़ों के साथ पाचन क्रिया में गड़बड़ी इसकी वजह हो सकती है। ऐसे में फाइबर और मिनरल्स युक्त आहार को अपनी डाइट में शामिल करना शुरू कर दें और डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

4. काले होंठ
वैसे तो कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट के इस्तेमाल से भी होंठ काले पड़ने शुरू हो जाते हैं। धूम्रपान से भी होंठों का रंग काला होना शुरू हो जाता है लेकिन अगर इन प्रॉडक्ट का इस्तेमाल नहीं कर रहे और फिर भी होंठों का रंग काला पड़ रहा है तो शरीर में पानी की कमी, हार्मोंस का असंतुलन,विटामिन और फैटी एसिड की कमी हो सकती है। इन सब परेशानियों से बचने के लिए अपनी डाइट का खास ख्याल रखें।

अन्य समस्याएं

- सूखे और फटे होंठ
कुछ लोगों के होंठ सूखे और बार-बार फट जाते हैं। ऐसा या तो सस्ते ब्यूटी प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करने की वजह से होता है जो आपके होंठों की नमी को सोख लेता है। इसके अलावा शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी और इम्यून सिस्टम खराब होने पर भी अक्सर आपके होंठ सूख जाते हैं। विटामिन सी, न्यूट्रिएंट्स की कमी और इम्यून सिस्टम खराब होने पर आपके होंठ फट सकते हैं। अगर आपके होंठ लगातार फटे रहते हैं तो ये डायबिटीज होने का भी संकेत हो सकते हैं।

- होंठों के किनारे फटना
शरीर में विटामिन बी12 की कमी और फंगल इंफैक्शन की वजह से होंठों के किनारे फट जाते हैं इसलिए ऐसी कोई प्रॉब्लम होने पर तुरंत डॉक्टरी जांच करवाएं।

30 की उम्र होंते ही जरूर करवाएं अपना चैकअप, हो सकती हैं ये बीमारियां

बढ़ती उम्र के साथ ही लोगों को कई तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। 30 की उम्र पार होते ही लोगों के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है और बीमारियां बढ़ने का खतरा रहता है। इसके अलावा गलत लाइफस्टाइल और तनाव की वजह से भी शरीर को कई तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। ऐसे में जो लोग 30 की उम्र के पास हैं उन्हें अपनी सेहत का खास ख्याल रखना चाहिए और अपने शरीर का अच्छी तरह चेकअप करवाना चाहिए। आइए जानिए इस उम्र के लोगों को किन बीमारियों का खतरा रहता है।

1. हार्ट प्रॉब्लम
भागदौड़ भरी इस जिदंगी में लोगों को तनाव बना रहता है जो हार्ट प्रॉब्लम का मेन कारण होता है।आजकल ज्यादातर कम उम्र के लोगों में ही हार्ट अटैक का खतरा देखा जाता है जो लगातार स्ट्रैस में रहने और गलत लाइफस्टाइल के कारण हो सकता है।

2. हाई ब्लड प्रैशर
गलत खान-पान और जंक फूड का ज्यादा सेवन करने की वजह से लोगों में हाई ब्लड प्रैशर की समस्या देखी जाती है। ऐसे में 30 की उम्र के लोग अपना बी.पी. चैक करवाते रहें।

3. लिवर प्रॉब्लम
शराब-सिरगेट और फास्ट फूड अधिक खाने की वजह से लिवर पर दबाव पड़ने लगता है जिससे लिवर संबंधी कई समस्याएं हो जाती हैं।

4. किडनी रोग
अनहैल्दी फूड खाने की वजह से किडनी के आस-पास विषैले पदार्थ जमा होने लगते हैं जिससे किडनी में पत्थरी और सूजन होने की संभावना बढ़ जाती है।

5. डायबिटीज
देर रात तक जागना, एक्सरसाइज न करना और अधिक मीठा खाने की वजह से लोगों में डायबिटीज की समस्या भी आम देखने को मिलती है। ऐसे में 30 की उम्र के लोगों को अपना डायबिटीज टैस्ट जरूर करवाना चाहिए।

6. यूरिन इंफैक्शन
किडनी से जब विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकलते तो इससे यूरिन इंफैक्शन भी हो जाती है।

7. पेट संबंधी रोग
गलत खान-पान और इनरैगुलर रूटीन की वजह से पेट की पाचन क्रिया खराब हो जाती है जिससे एसिडिटी, कब्ज और पेट दर्द जैसी समस्याएं लगी रहता हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ऑस्ट्रेलिया की बोर्ड प्रेसीडेंट इलेवन पर धमाकेदार जीत

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया ने भारत दौरे की शानदार शुरूआत करते हुए टूर मैच में मंगलवार को बोर्ड प्रेसीडेंट इलेवन पर 103 रनों से धमाकेदार जीत दर्ज की। मेहमान टीम ने चार बल्लेबाजों के अर्द्धशतकों की मदद से 7 विकेट पर 347 रन बनाए। जवाब में बोर्ड प्रेसीडेंट इलेवन की पारी 48.2 ओवरों में 244 रनों पर सिमट गई। आवेश खान ने हिल्टन कार्टराइट को खाता भी नहीं खोलने दिया, लेकिन इसके बाद डेविड वॉर्नर ने कप्तान स्टीव स्मिथ (55) के साथ दूसरे विकेट के लिए शतकीय भागीदारी (105) की। वॉर्नर 11 चौकों की मदद से 66 रन बनाने के बाद कुशांग पटेल के शिकार बने। इसके बाद स्मिथ को वॉशिंगटन सुंदर ने चलता किया। इसके बाद ट्रेविस हेड ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 65 रन बनाए। मार्कस स्टोनिस ने तूफानी

बल्लेबाजी की, उन्होंने 60 गेंदों में 4 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 76 रन बनाए। विकेटकीपर मैथ्यू वेड ने 45 रनों का योगदान दिया। सुंदर ने 23 रनों पर 2 और पटेल ने 58 रनों पर 2 विकेट लिए। जवाब में बोर्ड प्रेसीडेंट इलेवन की शुरूआत खराब रही जब रिचर्डसन ने राहुल त्रिपाठी (7) को पैवेलियन लौटाया। इसके बाद श्रीवत्स गोस्वामी (43) और मयंक अग्रवाल (42) ने आंशिक प्रतिकार किया, लेकिन इनके अलावा कोई भी प्रमुख बल्लेबाज मेहमान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाया। मेजबान टीम ने 156 रनों पर 8 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन अक्षय कर्णेवार (40) और कुशांग पटेल (41 नाबाद) ने नौवें विकेट के लिए 66 रनों की भागीदारी की। बाएं हाथ के एश्टोन एगर ने 44 रनों पर 4 विकेट लिए जबकि केन रिचर्डसन को 2 विकेट मिले।

डिविलियर्स ने धोनी से पूछा

कब लोगे संन्यास

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी 36 साल के हैं और अब गाहे-बगाहे उनके क्रिकेट से संन्यास लेने की बातें उठती ही रहती हैं। टेस्ट क्रिकेट से उन्होंने 2015 में संन्यास ले लिया था और 2017 की शुरूआत में उनके वनडे और टी-20 की कप्तानी छोड़ने के बाद तो ये कयास लगने लगे थे कि वो चैंपियंस ट्रॉफी के बाद फटाफट फॉर्मेट से भी रिटायरमेंट ले सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर दुनिया को दिखाया है कि इस खिलाड़ी में अभी भी देश को देने के लिए बहुत कुछ बाकी है। धोनी के संन्यास की चर्चा क्रिकेट के फैंस के बीच तो होती ही है साथ ही साथ पूर्व क्रिकेटर्स और मौजूदा क्रिकेटर्स भी इस मसले पर चर्चा करते हैं। लेकिन द. अफ्रीका के पूर्व कप्तान डिविलियर्स ने तो माही

से ही उनके संन्यास के बारे में पूछ लिया था। द. अफ्रीकी टीम के पूर्व कप्तान और धुआंधार बल्लेबाज ए बी डीविलियर्स ने कुछ दिन पहले एक इंटरव्यू में महेंद्र सिंह धोनी की तारीफों के जमकर पुल बांधे। डीविलियर्स ने धोनी को महान क्रिकेटर, लीडर और एक कूल शख्सियत बताया। डीविलियर्स ने इस इंटरव्यू में 2015 वर्ल्ड कप के साथ-साथ टूर्नामेंट के उस मैच को भी याद किया जिसमें टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को 130 रनों से हराया था। इस मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान ही डीविलियर्स ने एमएस धोनी से उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा था, जिसका धोनी ने ऐसा जवाब दिया जिसे सुनकर डीविलियर्स के मन में धोनी के लिए इज्जत और बढ़ गई। इस इंटरव्यू में डीविलियर्स ने बताया कि उन्होंने इस बात का जिक्र पहले भी किसी से किया था, लेकिन उन्हें उस शख्स का नाम याद नहीं आ रहा। डीविलियर्स ने कहा कि उन्होंने 2015 वर्ल्ड कप के मेलबर्न मैच के बाद धोनी से संन्यास संबंधी सवाल पूछा था। धोनी पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन के दौरान उनके पास ही खड़े थे। डीविलियर्स ने उनसे पूछा कि आप और कितने दिन तक खेलने वाले हो, जिसके जवाब में धोनी ने कहा था- मैं हर पल खेलना पसंद करता हूं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह अद्भुत विश्व रिकॉर्ड बना सकते है मोहम्मद शमी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले तीन मैचों के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम में वापसी हुई। इस श्रृंखला के दौरान भारत का यह तेज गेंदबाज एक विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम कर सकता है। अगर उन्होंने सीरीज के शुरूआत दो मैचों में नौ विकेट हासिल कर लिए तो वह सबसे तेज सौ विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन जाएंगे। शमी ने 49 वनडे में अब तक 91 विकेट लिए हैं। फिलहाल वनडे में सबसे तेज सौ विकेट लेने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क के नाम है।

जिन्होंने 52 मैचों में यह अद्भुत उपलब्धि हासिल की थी। बीसीसीआई की रोटेशन नीति के तहत चयनकर्ताओं ने चेन्नई में 17 सितंबर से शुरू हो रही श्रृंखला के पहले तीन मैचों के लिए शीर्ष स्पिनरों रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को आराम देने का फैसला किया है। विराट कोहली की अगुआई वाली टीम में एकमात्र बदलाव तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को बाहर करके भी किया गया है। उमेश और शमी को श्रीलंका टेस्ट श्रृंखला के बाद सीमित ओवरों के मैचों से आराम दिया गया था और अब ब्रेक के बाद उनकी शानदार वापसी हुई है।

नडाल बने यूएस ओपन चैंपियन, जीता 16वां ग्रैंड स्लैम खिताब

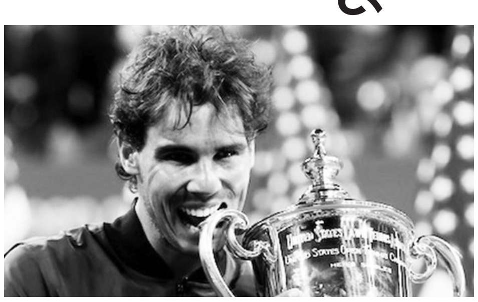

न्यूयॉर्क। विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल ने इस साल का यूएस ओपन खिताब अपने नाम कर लिया है। साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम खिताब के फाइनल में नडाल ने केविन एंडरसन को मात दी। खिताबी मुकाबले में स्पेनिश खिलाड़ी ने एंडरसन को सीधे सेटों में 6-3,6-3,6-4 से मात दी। ये नडाल का 16वां ग्रैंड स्लैम टाइटल है। मैच की शुरूआत से ही नडाल रंग में नजर आए और अपने विरोधी दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। नडाल कितने शानदार फॉर्म में थे, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने पूरे मैच में एंडरसन को एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं दिया। यह नडाल का चौथा यूएस ओपन फाइनल और तीसरा खिताब था लेकिन पहली बार उनके सामने जोकोविच नहीं थे। जीत के बाद नडाल काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि, ये दो हफ़्ते मेरे लिए बेहद खास रहे, लेकिन सबसे पहले मैं केविन को बधाई देना चाहूंगा, जिन्होंने चोट से उबरने के बाद उम्दा वापसी की। आप दूसरे खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं। न्यूयॉर्क में जीत के साथ साल के ग्रैंड स्लैम का समापन मुझे ऊर्जा से भर देता है। ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में सिर्फ. स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर ही उनसे आगे हैं। फेडरर के नाम 19 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। नडाल ने इस साल जून में फ्रेंच ओपन में भी खिताबी जीत हासिल की थी। चार साल बाद उन्होंने एक सीजन में दो ग्रैंड स्लैम जीते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोनाक्षी सिन्हा ने की प्रियंका की तारीफ

बॉलीवुड एक्ट्रैस सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में प्रियंका चोपड़ा की तारीफ की है। दरअसल, प्रियंका यूनिसेफ (Unicef) की गुडविल एंबेसडर हैं और अभी सिरिया में हुए सिविल वॉर के चलते विस्थापित बच्चों की मदद के लिए जॉर्डन में हैं। सिरिया में बड़ी तादात में लोग मारे गए हैं और कई लोग अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर हो गए हैं। इसके बाद से ही बड़ी संख्या में सीरियाई लोग जॉर्डन में शरण ले रहे हैं। सोनाक्षी ने कल सोशल मीडिया पर यूनिसेफ के साथ मिलकर किए जा रहे काम के लिए प्रियंका की तारीफ करते हुए ट्वीट किया है, प्रियंका यूनिसेफ के साथ मिलकर जो कर रही हैं वो हमें भी लाइफ में करने की महत्वकांशा रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया से जुड़े पोस्ट खुद करता हूं : अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने हाल ही में बताया कि वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट को खुद हैंडल करते हैं न कि किसी दूसरे व्यक्ति से पोस्ट करवाते हैं। 74 साल के अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, व्यक्तिगत ध्यान और देखभाल के लिए कोई और विकल्प नहीं..कोई नहीं। उन्होंने हंसते हुए कहा, कई लोग आश्चर्य करते हैं और पूछते हैं कि मैंने सोशल मीडिया से जुड़ी गतिविधियों के लिए कितने लोगों को काम पर लगा रखा है..नहीं..सब कुछ व्यक्तिगत रूप से करता हूं। इस बारे में स्पष्टीकरण देने के बारे में कहा, कोई कुछ भ्रामक और व्यंग्यपूर्ण बातें कर रहा था, अगले दिन जब उन्हें मेरी तरफ से एक ऐसे मजमून में जन्मदिन की ग्रीटिंग मिली, जो पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया गया था तो उन लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा, आपकी चोरी पकड़ी गई एबी। आपने जो ग्रीटिंग भेजी है, उसमें आपके सेक्रेटरी ने गड़बड़ी की है..आपने मुझे पहले कभी इस तरह से नहीं संबोधित किया है..हाहा..आप पकड़े गए। अमिताभ ने शनिवार देर रात 12.41 बजे अपने ब्लॉग पर लिखा, नहीं, मेरे प्रिय। सोशल मीडिया पर मेरे अकाउंट से जो पोस्ट होता है, उसे मैं रात में खुद अपने हाथों से करता हूं..उंगलियों की गलती है।

100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई बादशाहो

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म बादशाहो इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा छू चुकी है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर यह 10 दिनों में 71 करोड़ 27 लाख से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। अजय देवगन, इमरान हाशमी, ईशा गुप्ता, इलियाना डिक्रूज, संजय मिश्रा और विद्युत जामवाल जैसे सितारों से सजी यह 2 घंटे 42 मिनट की फिल्म 1 सितंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी। 650 मिलियन के बजट से बनी यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसके एक आइटम नंबर में इमरान हाशमी और सनी लियोन को पहली बार पर्दे पर साथ लाया गया है। फिल्म के गाने तो पहले ही लोगों के दिलों में जगह बना चुके हैं लेकिन बात करें बिजनेस की तो इस मामले में भी यह फिल्म कहीं आगे निकल चुकी है। फिल्म ने 12 करोड़ 60 लाख रुपए से भारतीय बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था जो कि चौंकाने वाला कलेक्शन था। ऐसा इसलिए भी क्योंकि ज्यादातर एनालिस्ट्स ने इतना तगड़ा कलेक्शन आने की उम्मीद नहीं की थी। 11 दिनों में फिल्म ने 71.27 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है।

'टाइगर जिंदा है' के सेट पर चोटिल नजर आए सलमान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान इन दिनों कैटरीना कैफ के साथ अपनी फिल्म टाइगर जिंदा है की शूटिंग के लिए अबू धाबी गए हुए हैं। ये फिल्म 2012 में रिलीज हुई सलमान की फिल्म ह्यएक था टाइगर का सीक्वल है। फिल्म के इस दूसरे पार्ट में सलमान हाई ऑक्टेन स्टंट्स और एक्शन करते नजर आएंगे। सलमान खान और कटरीना कैफ अभिनीत फिल्म टाइगर जिंदा है को रिलीज होने में बस कुछ महीने ही बचे हैं। फिल्म की शूटिंग की एक नई तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हुई है, जिसमें सलमान कार्गो पैंट और ग्रे रंग की टी-शर्ट पहने हुए और चेहरे पर चोट के साथ नजर आ रहे हैं। महज दो दिन पहले ही अली अब्बास जफर ने ट्विटर पर एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें कटरीना कैमरे से सूर्यास्त की तस्वीरें लेती नजर आ रही हैं और सलमान उन्हें निहार रहे हैं। जफर ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा था, जोया को सूर्यास्त की तस्वीरें लेते हुए निहार रहा है टाइगर..टाइगर जिंदा है..पर्दे के पीछे.बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी। फिल्म के निर्माताओं ने इस साल क्रिसमस के आसपास फिल्म को रिलीज करने की योजना बनाई है। फिल्म की शूटिंग की एक नई तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हुई है, जिसमें सलमान कार्गो पैंट और ग्रे रंग की टी-शर्ट पहने हुए और चेहरे पर चोट के साथ नजर आ रहे हैं।